राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म.प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 80वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय एकता मंच का देशव्यापी....

योगी बोले- 1947 कत्लेआम के कांग्रेस-सपा दोषी:तब.... 02

वर्ष : 17 | अंक : 113 | नई दिल्ली, शनिवार, 15 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 39.0°C

न्यूनतम तापमान 28.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	30%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,49,640
चांदी	2,40,000

लाल किले से गूंजेगा वंदे मातरम्, तिरंगे की शान में एकजुट होगा देश

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। देश शनिवार, 15 अगस्त को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, गर्व और देशभक्ति के साथ मनाएगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लेकर गांव-कस्बों तक तिरंगा शान से लहराएगा और स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के बलिदान को याद किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रध्वज फहराकर देश को संबोधित करेंगे। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार ध्वजारोहण सुबह 7 बजे निर्धारित है।इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस समारोह कई मायनों में खास होने जा रहा है। लाल किले पर पहली बार वंदे मातरम का गायन राष्ट्रगान से पहले किया जाएगा। समारोह में युवा शक्ति और देश की नई पीढ़ी की भूमिका को विशेष महत्व दिया गया है। आयोजन में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, गणमान्य नागरिक और आमंत्रित अतिथि शामिल होंगे। 15 अगस्त 1947 को देश ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता हासिल की थी। उसी ऐतिहासिक दिन स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले के लाहौरी गेट के ऊपर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। इसके बाद से हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से तिरंगा फहराते और देशवासियों को संबोधित करते हैं। इस बार का समारोह स्वतंत्रता के 79 वर्ष पूरे होने और 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर का प्रतीक है। देशभर में सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्ति गीत और विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों, एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का भी दिन है। राष्ट्रीय राजधानी में समारोह को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। लाल किले और उसके आसपास के इलाकों में यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे। दिल्ली मेट्रो ने भी यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की है और 15 अगस्त को सेवाएं सामान्य समय से पहले, सुबह 4 बजे से शुरू करने की घोषणा की गई है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश की निगाहें प्रधानमंत्री के लाल किले से होने वाले संबोधन पर भी रहेंगी। देशवासी सरकार की प्राथमिकताओं, विकास की दिशा और भविष्य के भारत को लेकर प्रधानमंत्री के संदेश का इंतजार कर रहे हैं। लाल किले की प्राचीर से तिरंगे के साथ गूंजता राष्ट्रगान और वंदे मातरम् देश की स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत करेगा।

व्यापार महोत्सव में शामिल हुई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को भारत मंडपम में आयोजित भारतीय व्यापार महोत्सव 2026 में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि व्यापारी और उद्यमी देश की आर्थिक शक्ति मजबूत कर रहे हैं तथा दिल्ली सरकार उनके परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी आज आत्मनिर्भर भारत का आत्मविश्वास बन चुका है। व्यापारी, उद्यमी और एमएसएमई केवल कारोबार नहीं बढ़ा रहे, वे परिवारों की खुशहाली, युवाओं के रोजगार और भारत की आर्थिक शक्ति को मजबूत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार भी उनके इस परिश्रम के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो सिस्टम, सेल्फ-सर्टिफिकेशन और स्वचालित मंजूरी जैसे सुधारों के जरिए पुरानी जटिल मंजूरी व्यवस्था को सरल बनाया जा रहा है, ताकि व्यापारी का समय दफ्तरों के चक्कर में नहीं, अपने कारोबार और सपनों को आगे बढ़ाने में लगे।

एनसीबी ने भगोड़े ड्रग किंगपिन वीरेंद्र बसोया की वापसी सुनिश्चित की: अमित शाह

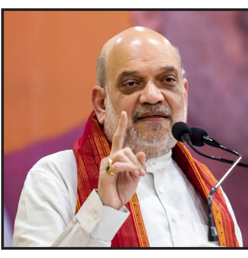

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्र सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को बड़ी सफलता मिली है। एनसीबी ने विदेश में छिपे अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर वीरेंद्र सिंह बसोया उर्फ वीरू को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत वापस लाने में सफलता हासिल की है। बसोया को शुक्रवार तड़के नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर हिरासत में ले लिया गया। गृह मंत्रालय ने बताया कि एनसीबी के अनुरोध पर इंटरपोल ने बसोया के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था, जिसके आधार पर उसे इस साल जून में यूएई में गिरफ्तार किया गया था। भारतीय एजेंसियों के लगातार समन्वय और यूएई अधिकारियों के सहयोग से उसे भारत वापस लाया गया। बसोया दिल्ली के सरोजिनी नगर इलाके के पिलंजी का रहने वाला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर कहा कि मोदी सरकार विदेश में छिपे ड्रग तस्करों का लगातार पीछा कर रही है और उनके पूरे तंत्र को नष्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति में एनसीबी ने यूएई से भगोड़े ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया को वापस लाकर एक नया मुकाम हासिल किया है। ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक अपराधी का पता लगाने की रणनीति के जरिए एजेंसियों ने फिर साबित किया है कि ड्रग तस्कर दुनिया में कहीं भी छिप जाएं, भारतीय कानून की पहुंच से बच नहीं सकते।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत कानून मंत्रालय ने निकाली साइकिल रैली, अर्जुन राम मेघवाल भी हुए शामिल

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस 2026 से पहले केंद्र सरकार के हर घर तिरंगा अभियान को गति देने के लिए दिल्ली में कानून और न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी इस रैली में हिस्सा लिया। इस मौके पर मंत्री मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान अब देश के कोने-कोने तक पहुंच गया है। अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, हमारे देश की आजादी के 75 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया था। अब देश के सबसे दूर-दराज इलाकों में भी घरों पर तिरंगा दिखाई दे रहा है। हम अपने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान भी इस अभियान का असर देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस साल भी प्रधानमंत्री के निदेर्शों का पालन करते हुए संस्कृति मंत्रालय इस अभियान का समन्वय कर रहा है और हर मंत्रालय तिरंगा यात्रा में शामिल हो रहा है।मंत्री ने कहा कि आज हमारे लॉ एंड जस्टिस मंत्रालय के तीनों विंग- लेजिस्लेटिव डिपार्टमेंट, लीगल अफेयर्स डिपार्टमेंट और जस्टिस डिपार्टमेंट- इस रैली में शामिल हुए हैं।

टीएचडीसी सुरंग में फंसे 22 लोगों में से 19 को बाहर निकाला, सात लोगों की मौत

प्रात: किरण, एजेंसी

चमोली। उत्तराखण्ड में चमोली जिले के पीपलकोटी स्थित टीएचडीसी सुरंग में फंसने से सात लोगों की मौत हो गई है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि सुरंग में कुल 22 लोगों के फंसे होने की सूचना थी, जिनमें से रातभर चले राहत एवं बचाव अभियान में अब तक 19 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। वहीं शेष तीन लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान लगातार जारी है। घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्यों में सहयोग के लिए सुरंग के अंदर गए छह बचावकर्मी भी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि घटना में अभी तक सात लोगों की मृत्यु की सूचना है। उन्होंने बताया कि 440 मेगावाट की निमार्णाधीन सुरंग में गुरुवार शाम को मलबा एवं पानी भरने की घटना के बाद जिला प्रशासन की ओर से घटना की रात भर राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी रहा। टीएचडीसी की विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के टीआरटी सुरंग की लंबाई लगभग तीन किलोमीटर है तथा उसके लगभग 1.50 किलोमीटर हिस्से में भूधंसाव के कारण मलबा एवं पानी आने की स्थिति उत्पन्न हुई है। इसके चलते सुरंग में कार्यरत कुछ लोग अंदर फंस गए। बचाये गए घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर लाया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा घायलों के उपचार एवं स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस सहित अन्य तकनीकी एवं विशेषज्ञ टीमें मौके पर मौजूद हैं। सुरंग के भीतर मलबा एवं पानी की चुनौती के बीच बचाव दल अत्यंत सावधानी एवं समन्वय के साथ अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। जिलाधिकारी ने मौके पर अधिकारियों एवं बचाव टीमों से लगातार जानकारी लेते हुए शेष लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों एवं तकनीकी सहायता का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्यों के साथ ही घायलों के उपचार एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी लगातार जुटाई जा रही हैं।

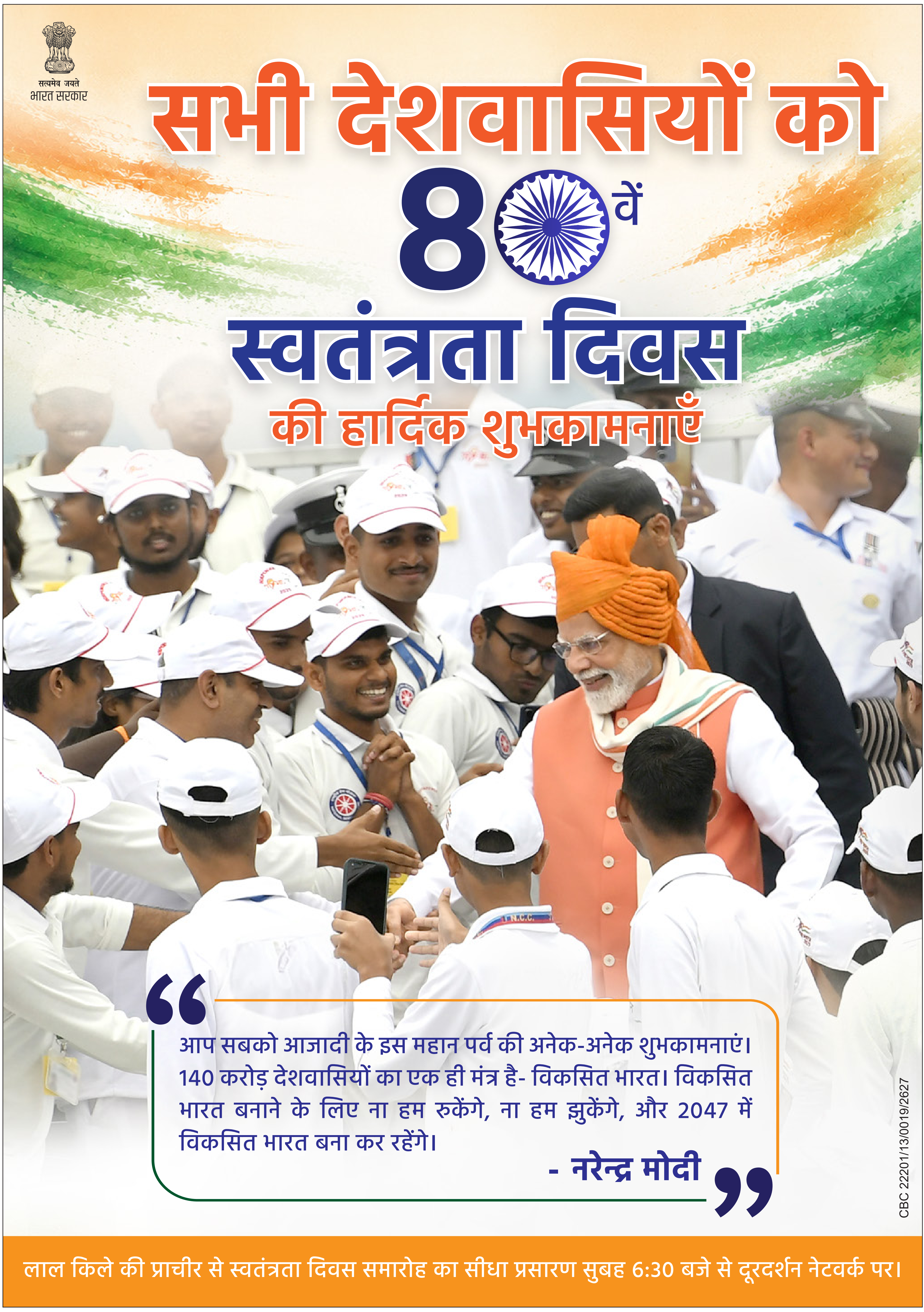

योगी बोले- 1947 कत्लेआम के कांग्रेस-सपा दोषी

तब मोदी जैसा पीएम होता तो कोई भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाता

प्रात : किरण संवाददाता

यूपी ।के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में कहा- कांग्रेस और सपा जैसी पार्टियों के लोग ही 1947 के विभाजन और कत्लेआम के वास्तविक दोषी हैं। अगर उस समय नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री होता, तो भारत का कोई बाल भी बांका नहीं कर पाता। उन्होंने कहा- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे योगी ने कहा- कांग्रेस ने देश के साथ विश्वासघात किया। 1947 में वे मौन थे और किसी भी तरह सत्ता पाना चाहते थे। उनकी आज भी यही मंशा है। सीएम बोले- बंटवारे के जिम्मेदार व्यक्ति के नाम पर यूनिवर्सिटी की पैरोकार बनी सपा योगी ने सपा नेता आजम खान का बिना नाम लिए शिवपाल यादव के बयान पर पलटवार किया। योगी ने कहा- भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के नाम पर विश्वविद्यालय बनाने वाले व्यक्ति की सपा आज पैरोकार बन रही है। सपा कह रही है कि हम आएंगे तो उसको (आजम खान को) गृहमंत्री बनाएंगे। ये फिर दंगा करवाना चाहते हैं। जिसने मुजफ्फरनगर और सहारनपुर के दंगाइयों को सीएम आवास पर लाकर सम्मानित करवाया, ऐसे व्यक्ति के समर्थन में ये लोग दलीलें दे रहे हैं। इनकी शर्मनाक सोच को देखिए। दरअसल, 2 दिन पहले शिवपाल यादव ने रामपुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात के बाद कहा था- सपा सरकार बनने पर आजम खान को गृहमंत्री बनाएंगे। उन पर हुए हर जुल्म का बदला लेंगे। इससे पहले, भाजपा ने लखनऊ में मौनव्रत पदयात्रा निकाली। सीएम योगी मास्क लगाकर पैदल चले।

1- इतिहास सिर्फ परीक्षा में पढ़ने वाला विषय नहीं

सीएम ने कहा- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस इतिहास के उन काले अध्यायों से हमें बहुत कुछ सीखने की प्रेरणा देती है। क्योंकि, केवल उसका स्मरण भर करने से इस समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। यह समस्या क्यों पैदा हुई, किन लोगों के कारण पैदा हुई, इसके कितने दोषियों को सजा दी गई और आखिर कब तक यह हिंदुस्तान इसकी कीमत चुकाता रहेगा? यह सवाल आज भी हमारे सामने है। इसलिए इतिहास सिर्फ परीक्षा में पढ़ने वाला विषय नहीं है। यह हमें अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करने और पुरानी गलतियों से सीखकर उन्हें सुधारने का मौका भी देता है।

2- ह्यबांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम हुआ, लेकिन ये पार्टियां चुप रहीं

स्मृति दिवस मनाने के पीछे प्रधानमंत्री की यही सोच है। जो लोग 1947 में चुप थे और उनकी नजर सिर्फ सत्ता पाने पर थी, वे आज भी उसी सोच पर चल रहे हैं। देश की कीमत पर सत्ता हासिल करना ही उनका मकसद रहा है। आपने बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम देखा होगा, ये दल तब भी मौन थे। इन्हें डर था कि बोलने से उनका वोटबैंक नाराज हो सकता है। वे अपने स्वार्थ के लिए सत्ता को निजी संपत्ति और पारिवारिक विरासत मानते हैं। इसी सोच के कारण देश के साथ धोखा करते हैं और अराजकता और अव्यवस्था फैलाते हैं।

गंगा के बढ़ते जलस्तर से कुन्दनपुर में कटान का खतरा, मुख्य अभियंता ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव के चलते तहसील बिजनौर के परगना मंडावर स्थित ग्राम कुन्दनपुर में कटान का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीण आबादी और कृषि भूमि को संभावित नुकसान से बचाने के लिए सिंचाई विभाग ने कटावरोधी सुरक्षात्मक कार्य तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में मुख्य अभियंता (पूर्वी गंगा) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश इंजीनियर शरद कुमार ने अधिकारियों के साथ गांव पहुंचकर स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने गंगा के जलस्तर, बहाव और कटान की स्थिति का जायजा लिया। उनके साथ अधीक्षण अभियंता सिंचाई कार्य मंडल मुरादाबाद इंजीनियर राजीव मित्तल तथा अधिशासी अभियंता अफजलगढ़ सिंचाई खंड धामपुर इंजीनियर अरुण सचदेवा मौजूद रहे। पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण गंगा में पानी का प्रवाह बढ़ने से नदी का बहाव तेज हो गया है। ऐसे में कुन्दनपुर क्षेत्र में कटान को आबादी और उपजाऊ कृषि भूमि तक पहुंचने से रोकना सिंचाई विभाग के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। अधिशासी अभियंता अरुण सचदेवा के नेतृत्व में विभागीय टीम द्वारा मौके पर युद्धस्तर पर कटावरोधी सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं।

रात-दिन निगरानी, ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

सिंचाई विभाग की टीम को मौके पर तैनात कर गंगा के जलस्तर और कटान की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से नदी के किनारे न जाने और स्वयं के साथ पशुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील की है। ग्रामीणों को धैर्य बनाए रखने तथा किसी भी तरह की अफवाह पर विश्वास नहीं करने की सलाह दी गई है। साथ ही विभाग द्वारा कराए जा रहे सुरक्षात्मक कार्यों में सहयोग करने को कहा गया है। अधिकारियों के अनुसार समाचार लिखे जाने तक स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन गंगा के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव को देखते हुए लगातार निगरानी आवश्यक है। विभागीय अमला संभावित बाढ़ और कटान की स्थिति से निपटने के लिए मौके पर सक्रिय है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता पीके जैन, जूनियर इंजीनियर चंद्रकुश चौहान, महावीर सिंह, नरेश कुमार, गजेंद्र सिंह सहित सिंचाई विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

लोनी में हुआ ह्यविभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर संगोष्ठी व मौन जुलूस का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। शुक्रवार को निशांत कालोनी स्थिति कांरवा मैरिज होम मे भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व मे विभाजन की विभीषिका को स्मृति दिवस के रुप मे याद किया. इसके साथ ही देश के ल्ललल्ल ल्ललल्ल ल्ललल्ल विभाजन की त्रासदी के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपायों द्वारा एक विशेष संगोष्ठी एवं मौन यात्रा/जुलूस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 1947 में देश के विभाजन के समय अपनी जान गंवाने वाले लाखों निर्दोष नागरिकों, बेघर हुए परिवारों और यातना झेलने वाले वीर-वीरांगनाओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इतिहास का स्मरण कराते हुए गा. बाद जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 14 अगस्त को ह्यविभाजन विभीषिका स्मृति दिवसह्ल के रूप में मनाना भावी पीढ़ियों को यह याद दिलाने का प्रयास है कि नफरत और वैमनस्य के कारण देश ने कितना बड़ा दंश झेला था। कांता कर्दम ने संगोष्ठी के दौरान सर्वसम्मति से संकल्प दिलाया कि सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को बनाए रखने के लिए हर नागरिक निरंतर प्रयासरत रहेगा। वही लोनी विधायक ने कहा कि 1947 का विभाजन केवल भू-भाग का बंटवारा नहीं था, बल्कि लाखों परिवारों के विस्थापन और अमानवीय त्रासदी का काला अध्याय था। आज का दिन हमें राष्ट्रीय एकता की रक्षा करने और विघटनकारी शक्तियों के प्रति सदैव सजग रहने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से पूर्व जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान, महामंत्री रामकुमार त्यागी, पवन सोम, देवेंद्र चौधरी, राजकुमार चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सुनील निठौरा, सर्वेश शर्मा, आकाश गौतम, प्रदीप गोस्वामी, डीडी यादव,जिलामंत्री कृष्ण बंसल, सुदेश भारद्वाज, रुद्रामिनि गिरी, सीमा सैनी, ब्रह्ममेश तिवारी, मनीष चौहान, सतेन्द्र बंसल, प्रशांत कुमार, राहुल बैसला व विपिन कसाना आदि सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

हल्दौर पुलिस ने 42 पव्वे अवैध देशी शराब के साथ दो आरोपियों को दबोचा

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हल्दौर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो प्लास्टिक थैलों में रखे कुल 42 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकुश कुमार पुत्र नरेंद्र सिंह, निवासी ग्राम खारसपुर, थाना हल्दौर, तथा मंदनू पुत्र घूरसैन सैनी, निवासी ग्राम जहानाबाद उर्फ महमदाबाद, थाना हल्दौर के रूप में हुई है। दोनों के पास से दो प्लास्टिक थैलों/बोरों में 42 पव्वे देशी शराब मसाला नाइन किंग मार्का बरामद किए गए। इस मामले में थाना हल्दौर पर मु0अ0सं0 198/2026, धारा 60(1) आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में कांस्टेबल विकास प्रताप सिंह, कांस्टेबल आदित्य पांचाल, कांस्टेबल अजय प्रताप और कांस्टेबल वंश तोमर शामिल रहे।

तैमूरपुर स्कूल में कम छात्र मिले तो डीएम ने जताई नाराजगी, व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने शुक्रवार को विकासखंड मोहम्मदपुर देवमल के पूर्व माध्यमिक विद्यालय तैमूरपुर का औचक निरीक्षण किया। विद्यालय में विद्यार्थियों की बेहद कम उपस्थिति मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और छात्र संख्या बढ़ाने के साथ नियमित पठन-पाठन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने विद्यालय में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की भी पड़ताल की। प्रधानाध्यापक ने बताया कि शुक्रवार को बच्चों के लिए तहरी बनाई गई थी, लेकिन मौके पर भोजन का सैंपल सुरक्षित नहीं रखा गया था। जिलाधिकारी ने प्रतिदिन तैयार होने वाले मध्याह्न भोजन का नमूना सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। विद्यालय में मध्याह्न भोजन के लिए पर्याप्त राशन उपलब्ध नहीं मिलने पर भी जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। प्रधानाध्यापक ने बताया कि ग्राम प्रधान द्वारा प्रतिदिन राशन उपलब्ध कराया जाता है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को भोजन की नियमित निगरानी करने तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बच्चे घर से ला रहे थे भोजन के बर्तन

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में मध्याह्न भोजन के लिए पर्याप्त बर्तन भी नहीं मिले। बच्चे अपने घरों से बर्तन लाकर भोजन करते पाए गए। इसके अलावा हाथ धोने के लिए हैंडवॉश और साबुन की व्यवस्था भी नहीं थी। जिलाधिकारी ने तत्काल आवश्यक बर्तन उपलब्ध कराने तथा हैंडवॉश और साबुन की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालय का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छता और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रपटे और गंगा तटबंध का भी किया निरीक्षण

विद्यालय के निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने ग्राम रावली के निकट स्थित रपटे का निरीक्षण किया। मौके पर आवागमन सामान्य रूप से संचालित मिला। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि नदी का जलस्तर बढ़ने की स्थिति में कोई भी व्यक्ति नदी पार करने का प्रयास न करे और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। इसके बाद जिलाधिकारी ने मध्य गंगा बैराज के बाएं अफलक बंध का भी निरीक्षण किया। मौके पर गंगा का जलस्तर सामान्य पाया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नदी के जलस्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व देवेंद्र पाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक और सहायक अध्यापक मौजूद रहे।

नागरिक मनोज धामा को देखना चाहती है लोनी विधायक, लगातार मिलकर कर रहे स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। जब जनता अपने किसी पसंदीदा या भरोसेमंद नेता पर चुनाव लड़ने का दबाव बनाती हैं अथवा उसके समर्थन में पूरी तरह समर्पण भाव रखती है तो इसके पीछे जनता का उस नेता के प्रति अटूट विश्वास और क्षेत्र के विकास की उम्मीद होती है। ऐसा ही कुछ नजारा आजकल नगरपालिका परिषद लोनी के पूर्व अध्यक्ष मनोज धामा के साथ देखने को मिल रहा है। क्षेत्रीय नागरिक लगातार उनके कार्यालय पर पहुंचकर अथवा विभिन्न कॉलोनी में बुलाकर उन्हें अपने समर्थन से आश्वत करते हुए उनका फूल मालाओं से स्वागत कर रहे हैं। मजे की बात तो यह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव की अभी आहट भर हुई है, मगर पिछले कुछ दिनों से लगातार मनोज धामा से मिलने पहुंच रही जनता को लगता है कि जातिवाद की राजनीति से ऊपर उठकर वही नेता उनकी समस्याओं को सही से समझ सकता है और उनका समाधान कर सकता है। दरसल यह मनोज धामा का जमीनी जुड़ाव और हर बिरादरी को साथ जोड़कर ईमानदारी की राजनीति करने का ही नतीजा है जो चुनाव की बाट जोह रहे लोग बार-बार उन्हें जिताने के लिए प्रेरित कर रहे है। ऐसा समर्थन देखकर तो यही लगता है कि लोग क्षेत्र में किसी योग्य और मजबूत उम्मीदवार के अभाव में मनोज धामा को ही अपना पसंदीदा नेता मानते हैं। ऐसे मौके पर मनोज धामा ने लोगों की भावनाओं को समझते हुए और उनके अटूट समर्थन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि दरसल कुछ लोग जातिवाद की राजनीति में विश्वास रखते हैं. शायद वह भूल गए की जातिवाद की राजनीति देश और समाज के विकास में बड़ी बाधा बनती है। जब नेता व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए जाति का सहारा लेते हैं, तब समाज में दूरियां बढ़ती हैं और असली मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। जागरूक मतदाता अब विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के आधार पर अपने प्रतिनिधियों का चुनाव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जातिवाद में बाटकर जीत के स्वप्न देखने वाले ऐसे नेताओं को यह सोचने की जरूरत है कि मतदाता अब जागरुक हो चुके हैं, लोग अब नेताओं के वादों और उनके कामों का हिसाब मांगते हैं। जनता जाति के बजाय काम को प्राथमिकता दे रही है। इस बार लोनी की जनता वोट की चोट से ऐसे स्वार्थी नेताओं को सबक सिखाने का काम करेगी।

पिछड़ा वर्ग की बेटियों की शादी के लिए 20 हजार रुपये का अनुदान, ऑनलाइन आवेदन शुरू

बिजनौर। अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी के लिए प्रदेश सरकार की शादी अनुदान योजना के तहत पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना के अंतर्गत अधिकतम दो पुत्रियों की शादी के लिए प्रति विवाह 20 हजार रुपये की अनुदान राशि दिए जाने का प्रावधान है। योजना में अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग के लोग शामिल नहीं हैं। मुख्य विकास अधिकारी बिजनौर की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार योजना का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलेगा, जिनकी वार्षिक आय शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एक लाख रुपये से अधिक नहीं है। शादी की तिथि तक वर की आयु कम से कम 21 वर्ष तथा वधू की आयु कम से कम 18 वर्ष होना आवश्यक है। पात्र आवेदक को योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आवेदक का आधार कार्ड, पुत्री का आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति तथा शादी का कार्ड आदि आवश्यक अभिलेख संलग्न करने होंगे।

इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत विभाजन से प्रभावित लाखों लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का विषय ह्भारत का विभाजनः उजड़ने, बिछड़ने और बसने की गाथाह रहा। कार्यक्रम को राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने संबोधित किया। उन्होंने भारत विभाजन के दौरान हुई भयावह मानवीय क्षति और विस्थापन की पीड़ा को रेखांकित करते हुए कहा कि आंकड़ों के पीछे बिछड़े परिवारों, छूटे हुए घरों और उजड़ चुके समुदायों की अनगिनत कहानियां छिपी हैं। उन्होंने विभाजन से जुड़े अनुभवों और स्मृतियों को संवेदनशीलता तथा सहानुभूति के साथ याद रखने की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय सभ्यता में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डॉ. त्रिवेदी ने भारतीय सभ्यता और इतिहास में महिलाओं को प्राप्त विशिष्ट स्थान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में महिलाओं को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि के प्रतीक एवं स्रोत के रूप में सम्मान दिया जाता रहा है। उन्होंने इस सांस्कृतिक परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए समकालीन भारत में महिलाओं की भागीदारी, गरिमा और नेतृत्व को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रधानमंत्री की विभिन्न पहलों की सराहना की। विभाजन को जीवंत इतिहास के रूप में याद करने की जरूरत इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. पूनम कुमरिया ने विभाजन को केवल अतीत की एक ऐतिहासिक घटना के रूप में देखने के बजाय उसे जीवंत इतिहास के रूप में समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभाजन ने पीढ़ियों ने भारी नुकसान और विस्थापन के बावजूद जिस साहस के साथ अपने जीवन को दोबारा खड़ा किया, वह मानवीय संकल्प और धैर्य का स्थायी प्रमाण है। उन्होंने छात्राओं से विभाजन के इतिहास का गहन अध्ययन करने और उससे सहानुभूति, एकता, शांति तथा सद्भाव के मूल्य ग्रहण करने का आह्वान किया। स्मृतियों को संजोना जरूरी प्राचार्या ने कहा कि भारत के अतीत को समझना और वर्तमान संदर्भ में उसकी प्रासंगिकता को पहचानना नई पीढ़ी के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय ऐसे मंच तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां विद्यार्थी इतिहास के विभिन्न पक्षों को समझ सकें और उससे जुड़े अनुभवों पर संवेदनशीलता के साथ विचार कर सकें। उन्होंने कहा कि विभाजन से जुड़ी स्मृतियों को संजोना और प्रभावित लोगों के अनुभवों को सुनना अधिक समावेशी, संवेदनशील और करुणामय समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है।

एमटीएस कर्मचारियों के समान वेतन पर लगी अंतिम मुहर, 4,400 कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत लगभग 4,400 एमटीएस (डीबीसी) कर्मचारियों के लिए स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी सौगात मिली है। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने घोषणा की कि इन कर्मचारियों को अब समान वेतन का लाभ मिलेगा। इस निर्णय के बाद पात्र कर्मचारियों के वेतन में लगभग 10,000 रुपये प्रतिमाह तक की वृद्धि होने की संभावना है। निर्णय से कर्मचारियों के साथ उनके परिवारों को भी सीधा लाभ मिलेगा। लंबे समय से लंबित मांग पर लगी अंतिम मुहर महापौर ने कहा कि एमटीएस (डीबीसी) कर्मचारियों को समान वेतन का लाभ दिलाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इस दिशा में प्रशासनिक, वित्तीय और विधिक प्रक्रियाओं सहित अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद अब निर्णय पर अंतिम रूप से हस्ताक्षर कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल वेतन से जुड़ा प्रशासनिक फैसला नहीं है, बल्कि निगम कर्मचारियों के सम्मान और उनके अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। निगम प्रशासन का उद्देश्य कर्मचारियों को उनके कार्य और जिम्मेदारियों के अनुरूप उचित एवं समान वेतन उपलब्ध कराना है। बजट घोषणा को अब मिला अमलीजामा महापौर ने बताया कि नेता सदन के रूप में उन्होंने अपने बजट भाषण में ही एमटीएस (डीबीसी) कर्मचारियों को समान वेतन देने की घोषणा की थी। उस समय किए गए वादे को केवल घोषणा तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद अब इसे लागू करने की दिशा में अंतिम कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय तक पहुंचने के दौरान कई प्रशासनिक, वित्तीय और विधिक बाधाओं को दूर किया गया। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद अब कर्मचारियों को इसका वास्तविक लाभ मिल सकेगा। स्थायी समिति और निगम प्रशासन के साथ समन्वय प्रवेश वाही ने बताया कि स्थायी समिति की अध्यक्षा सत्या शर्मा और निगम आयुक्त संजीव खिरवार के साथ समन्वय करते हुए इस मामले से संबंधित आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निगम प्रशासन ने इस विषय पर लगातार काम किया। महापौर के अनुसार, निगम का उद्देश्य कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण के साथ उनके कार्य के अनुरूप वेतन और सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उनकी कार्यक्षमता और मनोबल में वृद्धि हो।

संक्षिप्त खबरें

ब्रिटानिया चौक फ्लाईओवर से गिरकर 29 वर्षीय महिला की मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में ब्रिटानिया चौक फ्लाईओवर से गिरने के बाद 29 वर्षीय महिला की मौत हो गई। गंभीर हालत में महिला को पहले आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल, मोती नगर ले जाया गया, जहां से उसे आरएमएल अस्पताल भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, पंजाबी बाग थाना पुलिस को फ्लाईओवर से महिला के गिरने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक राहगीर महिला को अस्पताल ले जा चुके थे। उसकी हालत गंभीर थी और वह बोलने की स्थिति में नहीं थी। जांच में महिला की पहचान शकूरपुर निवासी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, महिला के 2 बच्चे हैं और उसकी शादी 19 जून 2019 को हुई थी। परिवार से पूछताछ में पता चला कि वह पिछले करीब 1 सप्ताह से परेशान चल रही थी और मानसिक रूप से भी अस्वस्थ बताई जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, महिला परिवार को बिना बताए घर से निकल गई थी। इसके बाद ब्रिटानिया चौक के पास फ्लाईओवर से गिरने की घटना हुई। घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए मोबाइल अपराध टीम और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

चोरी और स्नैचिंग के तीन मामलों में शामिल चोर

नईदिल्ली। शाहदरा जिले की एएसबी सेल ने ऑपरेशन स्ट्रीट शील्ड के तहत एक शातिर सेंधमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से करीब 70 किलोग्राम चोरी का तांबा बरामद किया, जिसकी कीमत एक लाख रुपये से अधिक है। पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि 9 अगस्त को जीटीबी एनक्लेव थाने में झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्टरी से तांबे की चोरी दर्ज हुई थी। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना पर न्यू सीमापुरी निवासी आलम हुसैन उर्फ लल्ला (25) को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर 70 किलो चोरी का तांबा मिला। आरोपी ने अपने तीन साथी रिजाबुल उर्फ लल्लन, कलुआ और लाला के नाम बताए, जिनकी तलाश जारी है। ये आरोपी रात में औद्योगिक इकाइयों से तांबा और कीमती सामान चोरी करते थे। गिरफ्तार आरोपी पहले भी चोरी और स्नैचिंग के तीन मामलों में शामिल रहा है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

बरेली से दिल्ली तक स्मैक का सप्लाई चक्र ध्वस्त, चार तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले पूर्वी दिल्ली में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने बरेली से दिल्ली तक फैले अंतरराज्यीय स्मैक तस्करी नेटवर्क का पदार्फाश किया है। टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 446 ग्राम स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब 80 लाख रुपये बताई गई है। तस्करी में इस्तेमाल कार और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक 6 अगस्त को मयूर विहार फेज-3 स्थित डीटीसी बस टर्मिनल, पेपर मार्केट के पास घेराबंदी कर बरेली निवासी अजाद अंसारी और राजा खान को कार समेत पकड़ा गया। तलाशी में अजाद से 36 ग्राम और राजा से 83 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर टीम बरेली पहुंची और 12 अगस्त को नाजिम खान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 271 ग्राम स्मैक बरामद की। इसके बाद नाजिम से मिली जानकारी और आरोपियों की निशानदेही पर साकिर को भी गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 56 ग्राम स्मैक मिली। इस तरह चारों आरोपियों से कुल 446 ग्राम स्मैक बरामद हुई। जांच में सामने आया कि अजाद दिल्ली-एनसीआर में स्मैक की छोटी पुड़िया बेचता था, जबकि राजा बरेली से उसकी आपूर्ति करता था। नाजिम और साकिर कथित तौर पर इस नेटवर्क में ऊपर की कड़ी के रूप में जुड़े थे। पुलिस अब गिरोह के अन्य संपर्कों और मादक पदार्थों की आपूर्ति के आगे-पीछे के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। कार्रवाई पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार के मार्गदर्शन में एसीपी ऑपरेशन पवन कुमार तथा एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार की निगरानी में की गई।

टिल्लू-कौशल-गुरविंदर गिरोह के 3 शूटर गिरफ्तार अमेरिका में बैठे सरगना से लेते थे निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ ने संगठित अपराध और गिरोहबंदी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए टिल्लू ताजपुरिया, कौशल चौधरी और गुरविंदर बाबा गिरोह के 3 सक्रिय शूटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी अमेरिका में बैठे गिरोह के कथित सरगना गुरविंदर उर्फ बाबा के सीधे निदेर्शों पर काम कर रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारी से दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में रंगदारी के लिए होने वाली कई संभावित गोलीबारी की घटनाओं को समय रहते रोकने का दावा किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 2 अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और 11 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। विशेष प्रकोष्ठ अब गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके संपर्कों का पता लगाने में जुटी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हेमंत उर्फ मोनू, नयन अग्रवाल और दुर्गेश राय उर्फ डेविल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मंगोलपुरी निवासी हेमंत गिरोह में मुख्य समन्वयक के साथ आर्थिक लेनदेन और हथियारों सहित अन्य सामान की व्यवस्था का काम देखता था। बुद्ध विहार निवासी नयन अग्रवाल भी गिरोह की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। वहीं, अवंतिका, रोहिणी निवासी दुर्गेश राय उर्फ डेविल पहले राजस्थान में अपहरण और लूट से जुड़े मामलों में भी कथित रूप से शामिल रहा है। पुलिस के अनुसार, निरीक्षक संदीप यादव और निरीक्षक नीरज कुमार के नेतृत्व में विशेष प्रकोष्ठ की टीम ने सहायक पुलिस आयुक्त पूरन चंद्र पंत की निगरानी में करीब 10 दिनों तक गिरोह के सक्रिय सदस्यों पर नजर रखी। पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पश्चिम विहार स्थित जिला पार्क के पास कार्रवाई कर हेमंत उर्फ मोनू और नयन अग्रवाल को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 1 अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और 8 कारतूस बरामद किए गए। दोनों से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने रोहिणी से तीसरे आरोपी दुर्गेश राय उर्फ डेविल को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से भी हथियार और कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में हेमंत और नयन ने पुलिस को बताया कि मई में वे गुरविंदर बाबा के निर्देश पर पंजाब के जीरकपुर गए थे। पुलिस के अनुसार, वहां खेत में छिपाकर रखी गई हथियारों की खेप बरामद कर दिल्ली में गिरोह के एक संपर्क सूत्र तक पहुंचाई गई थी। पुलिस का यह भी कहना है कि दोनों आरोपियों ने चंडीगढ़ के 2 अलग-अलग सौंदर्य केंद्रों पर रंगदारी वसूलने के उद्देश्य से गोलीबारी करने का प्रयास किया था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि वे दोबारा हमले की तैयारी में थे। पुलिस के मुताबिक, दुर्गेश राय उर्फ डेविल पहले भी हरियाणा के रोहतक और करनाल क्षेत्र में खेत में बने एक मकान पर गुरविंदर बाबा के निर्देश पर गोलीबारी की वारदात में शामिल रहा है।

चाकू दिखाकर महिला से चेन लूटने वाले तीन किशोर पकड़े

नई दिल्ली। द्वारका में सुबह की सैर पर निकली महिला को चाकू दिखाकर सोने की चेन और लॉकेट लूटने वाले तीन किशोरों को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर पकड़ लिया। द्वारका नॉर्थ और द्वारका सेक्टर-23 थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपितों से लूटी गई चेन-लॉकेट, चाकू और फर्जी नंबर प्लेट लगी स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। 7 अगस्त की सुबह सेक्टर-17 द्वारका में तीन युवकों ने महिला से चेन झपटने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर एक युवक वापस आया और चाकू दिखाकर चेन व लॉकेट लूट लिया। इसके बाद आरोपी फर्जी नंबर प्लेट लगी कार से फरार हो गए। द्वारका जिला उपायुक्त कुशल पाल सिंह के निर्देश पर पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी निगरानी के जरिए फर्जी नंबर प्लेट लगी कार का सुराग हासिल किया। पुलिस ने राज कुमार, मयंक उर्फ गुड्डू और रितिक को पकड़ा है, जो कुतुब विहार, गोयला डेयरी के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार मयंक पहले भी चोरी और झपटमारी के दो मामलों में शामिल रहा है। मामले में आगे की जांच जारी है।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय एकता मंच का देशव्यापी जोश: तिरंगा यात्राओं से गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्रीय एकता मंच की ओर से देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं संस्थापक पंडित संतोष मिश्रा जी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल ध्वजारोहण और कार्यक्रमों तक सीमित रहने का पर्व नहीं है, बल्कि यह उन महान स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान को याद करने का दिन है, जिनके संघर्ष से देश को आजादी मिली। पंडित संतोष मिश्रा जी ने देशवासियों से आह्वान किया कि जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर हम सभी भारतीय एकजुट हों और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने के लिए मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि देश के प्रति सच्ची निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना ही स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ को सार्थक करती है। उन्होंने देश की सीमाओं पर दिन-रात राष्ट्र की रक्षा में तैनात भारतीय सैनिकों को कोटि-कोटि नमन करते हुए स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवान कठिन से कठिन परिस्थितियों में देश की सुरक्षा के लिए डटे रहते हैं, तभी देश का प्रत्येक नागरिक अपने घर में सुरक्षित होकर चैन की नींद सो पाता है। राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सभी अमर शहीद सैनिकों को उन्होंने नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नेतृत्व में राष्ट्रभक्ति और संगठन को नई दिशा राष्ट्रीय एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामजी लाल वैष्णव जी के नेतृत्व में संगठन राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और जनसेवा के संकल्प को निरंतर मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व की विशेषता संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को एकजुट कर राष्ट्रहित के कार्यों के लिए प्रेरित करना और समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर चलना है। वहीं राष्ट्रीय महासचिव श्री पंकज शर्मा जी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने, कार्यकताओं के बीच समन्वय स्थापित करने तथा संगठन के विस्तार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनकी सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण कार्यकताओं के लिए प्रेरणादायी है। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं संस्थापक पंडित संतोष मिश्रा जी संगठन की राष्ट्रवादी विचारधारा और सामाजिक सरोकारों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनकी स्पष्ट वक्तृत्व शैली, राष्ट्रहित के मुद्दों पर मुखर आवाज और संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से समाज के सामने रखने की सक्रियता राष्ट्रीय एकता मंच के मीडिया अभियान को मजबूती प्रदान कर रही है। विभिन्न स्थानों पर तिरंगा यात्रा और स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामजी लाल वैष्णव जी एवं राष्ट्रीय महासचिव श्री पंकज शर्मा जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय एकता मंच के अनेक सम्मानित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने विभिन्न स्थानों पर स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए तथा भव्य तिरंगा यात्राएं निकालीं। इन कार्यक्रमों में देशभक्ति के नारों और हाथों में लहराते तिरंगे के साथ राष्ट्र के प्रति एकजुटता का संदेश दिया गया। तिरंगा यात्राओं के दौरान कार्यकताओं ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं अमर शहीदों को नमन किया तथा देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लिया। पंडित संतोष मिश्रा जी ने कहा कि तिरंगा केवल हमारे हाथ में लहराने वाला झंडा नहीं, बल्कि यह भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक भारतीय का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम स्वतंत्रता के अमृत संकल्प को आगे बढ़ाते हुए एकजुट भारत, मजबूत भारत और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

शाहदरा में साइबर ठगी और चोरी पर पुलिस का शिकंजा, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

पूर्वी दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने साइबर ठगी और चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना शाहदरा ने कर्ज दिलाने के नाम पर 1.10 लाख रुपये की ठगी करने वाले दो सगे भाइयों को दबोचा, जबकि एएसबी सेल ने ऑपरेशन स्ट्रीट शील्ड के तहत रात में फैक्टरी में चोरी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 70 किलो चोरी का तांबा बरामद किया है। शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के निर्देशन में हुई इन कार्रवाइयों से पुलिस ने कई मामलों का खुलासा किया है। साइबर थाना शाहदरा में दर्ज मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने रकम के लेन-देन, मोबाइल नंबर, कॉल रिकॉर्ड और तकनीकी साक्ष्यों का बारीकी से विश्लेषण किया। इसके बाद रवि कुमार (26) और अरुण सिंह (23) को वैशाली, गाजियाबाद स्थित उनके किराए के मकान से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों सगे भाई हैं और बैंक अधिकारी बनकर कर्ज लेने वाले लोगों से प्रोसेसिंग फीस तथा कर्ज मंजूरी के नाम पर रकम अपने खातों में जमा कराते थे। अरुण के कब्जे से दो मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड और एक एटीएम कार्ड बरामद हुआ। मोबाइल फोन की जांच में संभावित ग्राहकों के नाम-पते और फोन नंबरों की सूची भी मिली है, जिसके आधार पर पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपियों ने और कितने लोगों को निशाना बनाया था। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने साइबर ठगी के मामलों में लोगों से सतर्क रहने और बैंक की आधिकारिक जानकारी के बिना किसी अनजान व्यक्ति को भुगतान नहीं करने की अपील की है। वहीं, एएसबी सेल शाहदरा ने जीटीबी एन्क्लेव थाना क्षेत्र के झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में फैक्टरी से तांबे का सामान चोरी करने के मामले में आलम हुसैन उर्फ लल्ला (25) को न्यू सीमापुरी से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक 7 और 8 अगस्त की दरम्यानी रात चार लोग फैक्टरी में घुसे थे और बोरियों में तांबे का सामान भरकर फरार हुए थे। सीसीटीवी फुटेज की जांच और स्थानीय सूचना के आधार पर आलम की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर करीब 70 किलो तांबा, जिसकी कीमत एक लाख रुपये से अधिक है, बरामद किया गया। पूछताछ में उसने अपने कथित साथियों रिजाबुल उर्फ लल्लन, कलुआ और लाला के नाम बताए हैं, जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। शाहदरा जिला पुलिस की इस कार्रवाई से चोरी के चार मामलों का खुलासा हुआ है। डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के समग्र मार्गदर्शन में शाहदरा पुलिस की दोनों कार्रवाइयों को अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार साइबर ठगी करने वाले आरोपी बैंक अधिकारी बनकर लोगों का विश्वास जीतते थे, जबकि चोरी करने वाले आरोपी रात के समय औद्योगिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते थे। पुलिस दोनों मामलों में आगे की जांच कर रही है और अन्य संभावित आरोपियों तथा बरामद डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि कर्ज, बैंक खाते या किसी अन्य वित्तीय लेन-देन के नाम पर आने वाले संदिग्ध फोन और संदेशों पर बिना सत्यापन के कोई भुगतान न करें।

डीएवी विद्यालय में तिरंगा यात्रा, देशभक्ति से सराबोर हुआ गांधी नगर

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

शाहदरा। गांधी नगर स्थित हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संचालित डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय-1 में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय अध्यक्ष नरेश शर्मा ने कहा कि तिरंगा भारत की आन, मान और शान का प्रतीक है। नरेश शर्मा और गांधी नगर विधानसभा भाजपा अध्यक्ष सचिन चौहान के नेतृत्व में कपूर बस्ती, अशोक गली, नेहरू गली और महावीर चौक तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में उर्वशी तोमर, रेणु जोशी, तनुजा कसाना, सोनिया गुप्ता, गजराज सिंह, प्रियंका गुप्ता, सतीश शर्मा, नरेश कुमार और दिनेश चंद सहित शिक्षक व अतिथि शामिल हुए। विद्यार्थियों का नेतृत्व हिमांशु देसवाल, राकेश सहरावत और राकेश शास्त्री ने किया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि निर्मल जैन, विशिष्ट अतिथि निगम पार्षद प्रिया कम्बोज, आरएसएस के दिल्ली प्रांत सह-बौद्धिक प्रमुख सतीश शर्मा, गुलशन सिक्का और राजन कपूर ने ध्वजारोहण किया। विद्यालय प्रमुख लखी राम, तनुजा कसाना और अन्य अतिथियों ने अमर जवान ज्योति पर पुष्पांजलि अर्पित की। वसु वर्मा और नेहा गुप्ता ने सभागार को आकर्षक ढंग से सजाया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, कविताएं, भाषण, योगासन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। ह्ऐ वतन, ऐ वतनह्व और ह्हम सब भारतीय हैंह्व की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। प्रिया कम्बोज और निर्मल जैन ने विद्यार्थियों को देशभक्ति व राष्ट्रसेवा का संदेश दिया। नरेश शर्मा ने वीर शहीदों को नमन किया, जबकि सतीश शर्मा ने कहा कि अखंड भारत हमारा संकल्प है। विद्यालय प्रमुख लखी राम और प्रबंधक गिरिजेश रस्तोगी ने भी विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका अग्रवाल और गजराज सिंह ने किया तथा राष्ट्रगीत के साथ समापन हुआ।

नेपाल से दिल्ली तक चरस तस्करी का नेटवर्क ध्वस्त, 109 करोड़ की चरस बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। दक्षिण जिला स्पेशल स्टाफ ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर कुल 106.250 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली चरस बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 109 करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस के मुताबिक गिरोह नेपाल से चरस लाकर दिल्ली-एनसीआर में उसकी आपूर्ति करता था। पुलिस के अनुसार 29 जून को सूचना के आधार पर कोटला मुबारकपुर में कार्रवाई कर भारत थापा, गोविंद बुधा और एक महिला को गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से 8.598 किलोग्राम चरस बरामद हुई थी। पूछताछ और तकनीकी निगरानी के दौरान पुलिस को वजीराबाद में चरस के बड़े भंडारण केंद्र की जानकारी मिली। इसके बाद 12 अगस्त को छापेमारी कर 97.652 किलोग्राम चरस, 13 प्लास्टिक बैग, मिश्रण मशीन और पैकिंग सामग्री बरामद की गई। जांच में सामने आया कि गिरोह नेपाल के सोनौली सीमा क्षेत्र से सड़क मार्ग के जरिए चरस दिल्ली लाता था और अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखता था। इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए ऑर्डर लेकर नकद और डिजिटल माध्यमों से भुगतान किया जाता था। डिलीवरी के लिए ऑटो और बाइक टैक्सी का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने बताया कि गिरोह की गतिविधियों के तार वजीराबाद और मजनू का टीला समेत कई इलाकों से जुड़े मिले हैं। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में भारत थापा, गोविंद बुधा और दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस अब नेपाल में बैठे कथित सप्लायरों, स्थानीय वितरकों, आर्थिक लेन-देन और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान में जुटी है। कार्रवाई से नेपाल से दिल्ली-एनसीआर तक फैले चरस तस्करी के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

बिजली का बिल बढ़ा देगा झटका 8 फीसदी तक बढ़ा पीपीएसी शुल्क

नई दिल्ली। राजधानी में बिजली का बिल एक बार फिर झटका देने वाला है। जून माह के लिए बिल में बिजली खरीद समायोजन लागत (पीपीएसी) की बढ़ोत्तरी को डीईआरसी (दिल्ली विद्युत नियामक आयोग) ने मंजूरी दे दी है। इसके चलते दिल्ली की बिजली कंपनियां आने वाले बिल में ग्राहकों से अतिरिक्त 7 से 8 फीसदी पीपीएसी लेंगी। कंपनियों ने मौजूदा पीपीएसी को बढ़ाकर 23 से 31 फीसदी तक किए जाने की मांग डीईआरसी के समक्ष रखी थी। जानकारी के अनुसार पहले प्रत्येक तीन माह में पीपीएसी को लेकर डीईआरसी समीक्षा करती थी। लेकिन अब इसमें बदलाव कर प्रत्येक माह पीपीएसी को लेकर समीक्षा होती है। बीते जुलाई माह में तीनों प्रमुख बिजली कंपनियों ने डीईआरसी के समक्ष प्रस्ताव देकर बताया कि बिजली की खरीद पर उन्हें अतिरिक्त शुल्क चुकाना पड़ रहा है। इसलिए पीपीएसी को बढ़ाने की अनुमति दी जाए। बीएसईएस राजधानी ने पीपएसी शुल्क 31.64 फीसदी, बीएसईएस यमुना ने पीपीएसी शुल्क 24.02 फीसदी एवं टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड ने शुल्क 23.71 फीसदी करने की मांग डीईआरसी के समक्ष रखी थी। इस पर विचार करने के बाद डीईआरसी ने बीएसईएस राजधानी को 7.94 फीसदी, बीएसईएस यमुना को 7.43 फीसदी जबकि टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड को 8.50 फीसदी पीपीएसी बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इस वृद्धि के बाद बीएसईएस राजधानी के बिल में 17.94 फीसदी, बीएसईएस यमुना के बिल में 17.43 फीसदी जबकि टाटा पावर के बिल में 18.50 फीसदी पीपीएसी अगले बिल में लगकर आएगा। सूत्रों का कहना है कि इस बढ़ोत्तरी की वजह से प्रत्येक बिल पर 25 से 60 रुपये तक की बढ़ोत्तरी देखने को मिल सकती है। केवल 200 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करने वालों पर इस निर्णय का बोझ नहीं पड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वी दिल्ली में डीटीसी बस की चपेट में आने से आठवीं कक्षा की छात्रा की मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में शुक्रवार को डीटीसी बस की चपेट में आने से आठवीं कक्षा की एक छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पीड़िता अपने चाचा के साथ स्कूटर पर स्कूल जा रही थी, तभी सुबह करीब आठ बजे एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने कहा कि उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बस चालक, 45 वर्षीय एस के मुराद को बाद में पकड़ लिया गया। वह दुर्घटना के बाद भाग गया था।

एनसीआर में पूरे हफ्ते सुहावना रहेगा मौसम, रोज हल्की बारिश के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज सुहावना बने रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक 14 से 19 अगस्त तक आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी और लगभग हर दिन हल्की बारिश के आसार हैं। राहत की बात यह है कि इस अवधि में किसी भी दिन मौसम विभाग ने कोई चेतावनी जारी नहीं की है। हालांकि, बारिश और बादलों के बीच बढ़ी हुई नमी के कारण लोगों को उमस का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 14 अगस्त को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन सामान्य तौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। हवा में नमी का स्तर अधिकतम 85 प्रतिशत और न्यूनतम 70 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। 15 अगस्त को भी मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही रहने वाला है। इस दिन अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है।

लोन के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले 2 साइबर अपराधियों को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा साइबर पुलिस स्टेशन ने लोन धोखाधड़ी के मामले में 2 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से दो मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड और एक एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। दरअसल, दिल्ली के शाहदरा निवासी कृष्ण अवतार सहगल की शिकायत पर साइबर पुलिस स्टेशन शाहदरा में एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह बैंक लोन की प्रक्रिया कर रहे थे, तभी उन्हें एक अनजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को लोन-प्रोसेसिंग अधिकारी बताया। फाइल, प्रोसेसिंग चार्ज और लोन मंजूरी के बहाने, कॉलर ने उनसे कई बार पेमेंट करवाए। बाद में शिकायतकर्ता को पता चला कि कॉलर का बैंक से कोई संबंध नहीं था और उसने धोखाधड़ी से उनसे 1 लाख 10 हजार रुपए ठग लिए थे। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम का गठन किया। जांच के दौरान इटावा के रहने वाले रवि कुमार (26) की पहचान की गई और उसे गाजियाबाद के वैशाली में उसके किराए के मकान से गिरफ्तार किया गया।

स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले दिल्ली में पांच जगहों पर बम की धमकी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से ठीक एक दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बम की धमकियों से हड़कंप मच गया। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली के पांच अलग-अलग स्थानों पर बम विस्फोट की धमकी देने वाले कॉल आए। डीएफएस के अनुसार, जिन जगहों पर धमकी भरे कॉल आए उनमें जामनगर हाउस, झंडेवालान फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स, साकेत में जिला मजिस्ट्रेट का कार्यालय, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का टर्मिनल 3 और दिल्ली कैंट में एसडीएम कार्यालय शामिल हैं। सूचना मिलते ही सभी जगहों पर दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। जांच के दौरान अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। इससे पहले 3 अगस्त को दिल्ली के मेयर कार्यालय को एक ईमेल मिला था। इसमें 15 अगस्त को लाल किले पर कई बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। इसके बाद राजधानी की सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और पूरे लाल किले के आसपास के इलाके की छानबीन की गई। जैसे ही मेयर कार्यालय को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, उसने तुरंत दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी।

देशवासियों के दबाव में बीसीआई चेयरमैन को तानाशाही फरमान लेना पड़ा वापस, दें इस्तीफा: केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तानाशाही फरमान जारी करने पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन और भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन मिश्रा से इस्तीफा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मनन मिश्रा का सभी स्टेट बस काउंसिलों को नालसार यूनिवर्सिटी के 2026 बैच का एनरोलमेंट रोकने का तानाशाही फरमान ही गलत था। कॉकरोच जनता पार्टी और जागरूक देशवासियों के दबाव में उनको अपना तानाशाही फरमान वापस लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि अब देश की जागरूक जनता न तो सत्ता का अहंकार स्वीकार करेगी और ना ही लोकतांत्रिक संस्थाओं को राजनीतिक हथियार बनने देगी। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि भाजपा के राज्यसभा सांसद और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने सभी स्टेट बस काउंसिल को नालसार यूनिवर्सिटी के पूरे 2026 बैच का एनरोलमेंट रोकने का तानाशाही फरमान जारी किया। कॉकरोच जनता पार्टी और देशभर के जागरूक नागरिकों के विरोध के बाद उन्हें इसे वापस लेना पड़ा। बीसीआई वकीलों की स्वतंत्र वैधानिक संस्था है, भाजपा का प्रकोष्ठ नहीं। मनन कुमार मिश्रा को इस्तीफा देना चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हाल के वर्षों में केंद्र सरकार की असहमति दबाने, संस्थाओं पर कब्जा करने और मनमाने आदेश थोपने की प्रवृत्ति बढ़ी है। लेकिन देश की जनता बार-बार बता रही है कि वह न सत्ता का अहंकार स्वीकार करेगी, न लोकतांत्रिक संस्थाओं को राजनीतिक हथियार बनने देगी।अब जेन अल्फा नहीं रुकेगा, देश के बदहाल स्कूलों को ठीक करना ही पड़ेगा- केजरीवालशुक्रवार को अरविंद केजरीवाल ने अच्छी शिक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे छोटे बच्चों का समर्थन करते हुए भी एक्स पर कई पोस्ट की। उन्होंने कहा कि देश भर में जगह जगह छोटे छोटे बच्चे सड़क पर उतर रहे हैं। ये बच्चे क्या माँग रहे हैं? यही न की हमें अच्छी शिक्षा दो। आजादी के इतने सालों के बाद भी सरकारें अच्छी शिक्षा तक नहीं दे पाई। उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों पर मुझे गर्व है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले की एम वीडियो साझा की। यहां बच्चों ने स्कूल जाने वाली खस्ताहाल सड़क का मुद्दा उठाकर प्रदर्शन किया था। इसके बाद अधिकारी सड़क बनाने के लिए मौका मुआयना करने पहुंचे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जेन अल्फा, आपको बहुत बहुत बधाई। आपने कर दिखाया। अब भारत डरेगा नहीं, बल्कि डराएगा। वहीं लखनऊ में एक सरकारी स्कूल के बच्चों ने शिक्षकों की कमी को लेकर सड़क ही जाम कर दियां इसकी वीडियो साझा कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब जेन अल्फा नहीं रुकेगा। देश के बदहाल स्कूलों को तो ठीक करना ही पड़ेगा। पुरानी व्यवस्था अब नहीं चलेगी।

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में बदली यातायात व्यवस्था

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लालकिले पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में यातायात व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया है। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर 15 अगस्त को सुबह 4 बजे से 10 बजे तक लालकिले और आसपास के क्षेत्रों में सामान्य वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। इसके अलावा बसों, अंतरराज्यीय वाहनों और मालवाहक वाहनों के लिए भी अलग-अलग समयावधि में मार्ग परिवर्तन और प्रतिबंध लागू किए जाएंगे। प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने वाहन चालकों से प्रतिबंधित मार्गों पर जाने से बचने और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है। ये प्रमुख सड़कें रहेंगी बंद 15 अगस्त की सुबह लालकिले के आसपास कई प्रमुख मार्गों पर सामान्य यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इनमें नेताजी सुभाष मार्ग पर दिल्ली गेट से चट्टा रेल चौक तक, लोथियन मार्ग पर जीपीओ दिल्ली से चट्टा रेल चौक तक और श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग पर एचसी सेन मार्ग से यमुना बाजार चौक तक का हिस्सा शामिल है। इसके अलावा चांदनी चौक मार्ग पर फव्वारा चौक से लालकिले तक, निशात राज मार्ग पर रिंग रोड से नेताजी सुभाष मार्ग तक तथा एस्प्लेनेड मार्ग और उससे जुड़ी सड़कों पर भी यातायात प्रतिबंधित रहेगा। रिंग रोड पर रायघाट से अंतरराज्यीय बस अड्डा तक का हिस्सा भी निर्धारित समय में सामान्य वाहनों के लिए बंद रहेगा। उत्तर-दक्षिण आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग दिल्ली पुलिस ने उत्तर और दक्षिण दिल्ली के बीच आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग भी सुझाए हैं। वाहन चालक अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, कमाल अतातुर्क मार्ग, कौटिल्य मार्ग, अंतरराज्यीय बस अड्डा, मदर टेरेसा क्रिसेंट, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, पंचकुइयां रोड और रानी झांसी रोड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने स्वर्ण मंदिर से गुरबानी प्रसारित करने पर निजी चैनल को रोकने से इनकार किया

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की उस याचिका पर अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया, जिसमें एक निजी टेलीविजन चैनल को स्वर्ण मंदिर (श्री हरमंदिर साहिब) से गुरबानी के प्रसारण या पुनर्प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की गई थी। एसजीपीसी और पीटीसी चैनल ने गैलेक्टिक टेलीविजन एंड कम्युनिकेशंस के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अदालत का रुख किया था। एसजीपीसी का तर्क था कि स्वर्ण मंदिर से गुरबानी के प्रसारण का कॉपीराइट उसके पास है और गैलेक्टिक टेलीविजन द्वारा 10 सेकंड की देरी के साथ इसे प्रसारित करना उसके अधिकारों का उल्लंघन है।

एनएसयूआई ने नॉर्थ कैंपस में निकाली तिरंगा यात्रा, छात्रों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के नॉर्थ कैंपस में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में तिरंगा मार्च आयोजित किया। इस मार्च में एनएसयूआई के हजारों सदस्यों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा एसओएल गेट से शुरू होकर रामजस चौक पर समाप्त हुआ। छात्रों ने हाथों में तिरंगा लेकर स्वतंत्रता, एकता, लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों के समर्थन में नारे लगाए। इस अवसर पर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र के मूल्यों की रक्षा एवं उन्हें मजबूत करना विश्वविद्यालयों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लोकतांत्रिक समाज की नींव हैं। छात्रों को बिना किसी डर के अपनी बात रखने, अपनी आवाज उठाने, सवाल पूछने और विचार-विमर्श में भाग लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। विनोद जाखड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि ऐसे संस्थान भी हैं जहां युवा लोकतंत्र, संवैधानिक अधिकार, समानता और असहमति के सम्मान जैसे मूल्यों को सीखते हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ विश्वविद्यालयी वातावरण में संवाद को बढ़ावा दिया जाना चाहिए और अलग-अलग विचारों का सम्मान होना चाहिए। जाखड़ ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है कि हर छात्र को अपनी बात रखने, भाग लेने और अपनी आवाज सुने जाने का अधिकार मिले।

भारत विभाजन विभीषिका को संगीत, रंगमंच और वीडियो के माध्यम से किया गया प्रस्तुत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

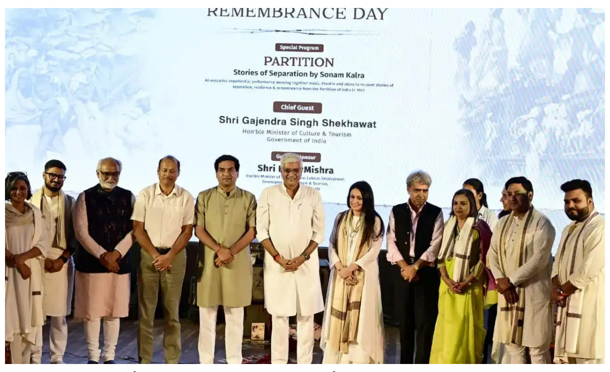

नई दिल्ली। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के परिप्रेक्ष्य में डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटनमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने पीड़ितों के संघर्ष, साहस और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के माध्यम से वर्ष 1947 के भारत विभाजन से जुड़ी पीड़ा, विस्थापन, बिछड़ने की घटनाओं की स्मृतियों को याद किया गया। ह्नपार्टिशन हॉरर्स झ्र रिमेंबरेंस डेह्न नाम से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में संगीत, रंगमंच और वीडियो को एक साथ प्रस्तुत करते हुए विभाजन के दौर को दर्शाया गया। कार्यक्रम आयोजन गुरुवार देर शाम को हुआ। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि संगीत, रंगमंच और वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया यह कार्यक्रम इतिहास की उन मानवीय कहानियों को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास है, जो विभाजन की त्रासदी के पीछे छुपे दर्द और संघर्ष को सामने लाती हैं। कपिल मिश्रा ने कहा कि विभाजन की विभीषिका को वर्षों तक दबाया और भुलाने का प्रयास किया गया । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने यह सुनिश्चित किया कि 1947 के उस दर्द, बलिदान और उससे मिले सबक को कभी विस्मृत न किया जाए। विभाजन विभीषिका दिवस केवल करोड़ों पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को इतिहास से सीख लेने का संकल्प भी है। मिश्रा ने कहा कि कोई भी समाज जब अपने इतिहास, बलिदानों और उनसे मिले सबक को भूल जाता है, तो उसका भविष्य कमजोर नींव पर खड़ा होता है। विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ हमें यह प्रण दोहराना होगा कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को कमजोर करने वाली मानसिकता को देश में दोबारा कभी पनपने नहीं देंगे। कार्यक्रम में सोनम कालरा और उनकी टीम ने ह्यस्टोरीज ऑफ सेपरेशनह्न की विशेष संगीतमय प्रस्तुति दी, जिसमें वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान अलगाव, संघर्ष और स्मृतियों से जुड़ी कहानियों को कलात्मक माध्यम से प्रस्तुत किया गया। आयोजन के लिए कपिल मिश्रा ने केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और कलाकारों का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली पुलिस ने लापता दो नाबालिग लड़कियों को दो घंटे के अंदर खोज निकाला, माता-पिता से मिलवाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लापता 14 वर्ष की दो लड़कियों को दो घंटे के अंदर खोज निकाला। लड़कियों को उनके माता-पिता को सौंप दिया गया। लड़कियों का पता लगाने के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया और अन्य उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। पुलिस के मुताबिक, 13 अगस्त को 14 वर्ष की दो लापता लड़कियों के माता-पिता पुलिस स्टेशन पहुंचे और जानकारी दी कि उनकी बेटियां सुबह से लापता हैं। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू की। अपनी बेटियों को सुरक्षित और अपने पास वापस पाकर माता-पिता बहुत खुश और राहत महसूस कर रहे थे। 2 अगस्त को दक्षिण-पश्चिम जिले की पुलिस ने लापता या अगवा हुए 43 बच्चों और 81 वयस्कों को उनके परिवारों से मिलाया था। पुलिस टीमों ने ऑपरेशन मिलाप के तहत 1 से 31 जुलाई तक 124 लोगों को ढूंढने और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाया था।पुलिस ने बताया था कि लापता या अगवा लोगों की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू कर दिया। इसमें स्थानीय स्तर पर पूछताछ के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज की जांच और ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर लापता या अगवा लोगों की तस्वीरें लगाने जैसे प्रयासों ने अहम भूमिका निभाई। लापता या अगवा लोगों की आवाजाही का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और वेंडरों से भी पूछताछ की गई थी। तलाशी अभियान के दौरान स्थानीय मुखबिरों की भी मदद ली गई। इसके अलावा आसपास के पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी बारीकी से जांच की गई थी।

नेपाल से दिल्ली-एनसीआर तक चरस की तस्करी 109 करोड़ की खेप के साथ 4 नेपाली गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने भारत-नेपाल के बीच सक्रिय एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का पदार्फाश करते हुए 4 नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है। दक्षिणी जिले की विशेष स्टाफ टीम ने 2 अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 106.250 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली चरस बरामद की है। पुलिस ने इसकी अनुमानित कीमत करीब 109 करोड़ रुपये बताई है। जांच में सामने आया है कि नेपाल से चरस की खेप दिल्ली के वजीराबाद स्थित एक भंडारण केंद्र तक पहुंचाई जाती थी, जहां से दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों में इसकी आपूर्ति की जाती थी। पुलिस के अनुसार, 29 जून को दिल्ली और एनसीआर में चरस की आपूर्ति करने वाले नेपाली नागरिकों के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर विशेष स्टाफ की टीम ने संदिग्धों की गतिविधियों पर निगरानी शुरू की। जांच के बाद पुलिस ने कोटला मुबारकपुर स्थित एक मकान पर छापा मारा। यहां से भरत थापा, गोविंद बुढ़ा और ज्योति पुन मगर को गिरफ्तार किया गया। तीनों के कब्जे से कुल 8.598 किलोग्राम चरस बरामद हुई। इसके बाद कोटला मुबारकपुर थाने में मामला दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान पुलिस को गिरोह की आपूर्ति व्यवस्था और इसके अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

अदालत ने कूड़ा बीनने वाले नाबालिग से कुकृत्य के दोषी की सजा बरकरार रखी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 11-वर्षीय बेघर बच्चे से कुकृत्य करने के आरोपी की दोषसिद्धि में हस्तक्षेप करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि सड़कों पर गुजारा करने वाले बच्चे से तारीख, समय या कपड़ों का विवरण उतना सटीकता से देने की उम्मीद नहीं की जा सकती जितनी कि एक व्यवस्थित माहौल में रहने वाले गवाह से की जाती है। आरोपी की याचिका पर 10 अगस्त को पारित फैसले में न्यायमूर्ति चंद्रशेखरन सुधा ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 377 (कुकृत्य) और पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम की धारा-छह (गंभीर रूप से यौन हमला) के तहत उसे दोषी ठहराने संबंधी निचली अदालत के अगस्त 2025 का निर्णय बरकरार रखा। हालांकि, न्यायाधीश ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई 20 साल जेल की सजा को घटाकर 10 साल कर दिया। इस बारे में अदालत ने यह आधार दिया कि अपराध के समय इस कुकृत्य के लिए 10 साल की सजा का प्रावधान था। पॉक्सो अधिनियम की धारा-छह के तहत न्यूनतम 20 वर्ष की सजा का प्रावधान 16 अगस्त 2019 से लागू हुआ था। नाबालिग ने आरोप लगाया था कि नवंबर 2016 में जब वह कश्मीरी गेट स्थित रेलवे पुल के नीचे सो रहा था, तब आरोपी ने उसका यौन उत्पीड़न किया।जब नाबालिग ने क्षेत्र में बेघर लोगों को मुफ्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करने वाले कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं को घटना की जानकारी दी, तो उन्होंने पुलिस हेल्पलाइन पर इसकी सूचना दी थी। आरोपी के वकील ने दावा किया कि उसे फंसाया गया है और दलील दी कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि लड़के की उम्र 12 वर्ष से कम थी।

42 पैकेट प्रतिबंधित चाइनीज मांझा और तीन चर्खियां बरामद

नई दिल्ली। केंद्रीय जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने स्वतंत्रता दिवस से पहले बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 42 पैकेट चाइनीज मांझा और तीन चर्खियां बरामद हुईं। पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि चांदनी महल और नबी करीम में मांझे की बिक्री की सूचना थी। इस पर अलग-अलग टीमों ने छापेमारी की। चांदनी महल से हारून राशिद (40) को 17 पैकेट चाइनीज मांझे के साथ पकड़ा गया। नबी करीम के कदम शरीफ इलाके से पवन (46) को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 25 पैकेट चाइनीज मांझा और तीन चर्खियां मिलीं। दोनों आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत मामले दर्ज हुए हैं।

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

No: एनआर-DL10MCNW/66/2026-O/o Sr.DME/CORD/DLI/NR दिनांक: 14.08.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल अनुभवी और सक्षम निविदाकारों से एक खुली प्रणाली निम्नलिखित कार्य हेतु मुहरबंद ई–निविदा आमंत्रित जाती है।

1	कार्य का नाम	दिल्ली मंडल के कोचिंग डिपो में तीन वर्ष की अवधि के लिए LHB कोचों के पहियों में D–3 शेड्यूल के दौरान Eddy Current Array (ECA) तकनीक द्वारा सतही दोषों का पता लगाने का कार्य।
2	कार्य स्थल	दिल्ली मंडल (ANVT, DLI, DEE, NDLS, NZM)
3	कार्य की अवधि	तीन (03) वर्ष
4	विज्ञापित मूल्य	रु. 3,70,54,536.48/- (जीएसटी के प्रावधान सहित)
5	बयाना राशि जमा की जानी है	रु. 7,41,100/-, केवल नेट बैंकिंग या गेटवे के माध्यम से
6	निविदा प्रपत्र मूल्य	रु. 0/–
7	ई–निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय	दिनांक 14.08.2026 से 07.09.2026 15:00 बजे तक
8	ई–निविदा बंद होने की तिथि और समय	दिनांक 07.09.2026 15:00 बजे
9	ई–निविदा खुलने की तिथि और समय	दिनांक 07.09.2026 को 15:00 बजे के बाद, यदि खुलने की तारीख अवकाश होता है, तो अगले कार्य दिवस पर ई–निविदा खोली जाएगी
10	ई–निविदा खोलने का स्थान	यांत्रिक विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–55

नोटः निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में मिल सकती है।
2829/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अर्न्तगत मदों की आपूर्ति हेतू निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
07260319	बोगी बोल्स्टर अरेंजमेंट	74 नग	26.08.26
07260305	व्हील सेट अर्थिंग एकुपमेंट	2999 नग	28.08.26
07263466	सील्ड ग्लास यूनिट	6600 नग	03.09.26
19252601	एन्हांस कैपेसिटी (एच टी) स्क्रू कपलिंग 60 टन	285 नग	14.09.26
08260851	सिटेल प्राइमरी सेल	58151 नग	16.09.26

निविदा शर्तें: 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

टेंडर नोटिस सं.: 35/2026-2027 दिनांक: 14.08.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2819/2026

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

मंडल अभियंता/सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा दिनांक 07.09.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

कार्य का नाम	(A) ADEN/E-IV के अधीन SSE/W/SSB के सेक्शन में रिक्त क्वार्टरों की मरम्मत एवं सुधार कार्य।		
	(B) ADEN/E-IV के अधीन SSE/W/PB के सेक्शन में रिक्त क्वार्टरों की मरम्मत एवं सुधार कार्य।		
	(C) ADEN/E-IV के अधीन SSE/W/DKZ-I के सेक्शन में अनपॉपुलर/नव आवंटित क्वार्टरों की मरम्मत कार्य।		
	(D) ADEN/E-IV के अधीन SSE/W/DKZ-I के सेक्शन में DKZ-I रेलवे कॉलोनी के ब्लॉक नं. 1 से 14 तथा 42 से 44 में क्षतिग्रस्त सीवेज/ड्रेनेज प्रणाली की मरम्मत एवं पुरानी जंग लगी जल आपूर्ति पाइपलाइन को बदलने का कार्य।		
	(E) ADEN/E-IV के अधीन DKZ-II रेलवे कॉलोनी में अनपॉपुलर/नव आवंटित क्वार्टरों की मरम्मत कार्य।		
	(F) ADEN/E-I के अधीन SSE/W/MNTB के सेक्शन में TKJ स्थित ORH अभिनंदन में फायर फाइटिंग सिस्टम में सुधार, एड्रेसेबल अलार्म सिस्टम, PA सिस्टम तथा रिकॉर्ड रूम और DAO भवन में दिल्ली फायर सर्विस के निर्देशानुसार फायर स्प्रिंकलर सिस्टम का प्रावधान, तथा DAO भवन में 36 माह के लिए फायर फाइटिंग सिस्टम का वार्षिक रखरखाव अनुबंध (AMC) एवं TKJ में SSE/W/MNTB के सेक्शन के अंतर्गत ORH अभिनंदन में 36 माह के लिए फायर फाइटिंग सिस्टम का संचालन एवं रखरखाव कार्य।		
अनुमानित लागत	(A) ₹11999928.54	(B) ₹7999856.78	(C) ₹8999625.13
	(D) ₹8999901.61	(E) ₹8999892.70	(F) ₹31528496.68
धरोहर राशि	(A) ₹240000.00	(B) ₹160000.00	(C) ₹180000.00
	(D) ₹180000.00	(E) ₹180000.00	(F) ₹630600.00
समापन अवधि	क्रम. सं. A, B, C D एवं E के लिए		8 महीने
	क्रम. सं. F के लिए		36 महीने

1. निविदा दिनांक 07.09.2026 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

पत्र संख्याः–128–डब्ल्यू/269/ओ.ई.टी/निविदा सूचना/26–27/डब्ल्यू–ई/
टेंडर. न.: 11(ए, बी, सी, डी, ई, एफ) दिनांक: 12.08.2026 2805/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

BIHARIJI ISPAT UDYOG LIMITED

REGD. OFFICE: 8, Sant Nagar, Part of 2nd Floor, East of Kailash, New Delhi, 110065.
CORPORATE OFFICE: SECTOR-45, MATHURA ROAD FARIDABAD, HARYANA, INDIA, 121003
Ph.:+91-9268823600, Email Id: biharijiispat@gmail.com
CIN: L27109DL1974PLC007047; Web-site: www.biharijiispat.com

Extract of Standalone Un-Audited Financial Results for the Quater ended June 30th, 2026

Rs. In Lakhs

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended			Year Ended
		30.06.2026	31.03.2026	30.06.2025	31.03.2026
		Un-audited	Audited	Un-Audited	Audited
1	Total income from operations	204.53	250.17	223.11	862.12
2	Net Profit/ (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	37.71	56.00	24.58	(651.34)
3	Net Profit/ (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	37.71	(320.72)	24.58	(1028.06)
4	Net Profit/ (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	101.12	(329.42)	(1.85)	(1066.87)
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/ (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	101.86	(326.48)	(1.85)	(1063.93)
6	Equity Share Capital	600.00	600.00	600.00	600.00
7	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) - (a) Basic (b) Diluted	1.70 1.70	(5.44) (5.44)	(0.03) (0.03)	(17.73) (17.73)

Notes:

1. The above is an extract of the detailed format of Standalone Un-Audited Financial Results for the Quarter ended on June 30, 2026, filed with the Mertopolitan Stock Exchange of India under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Un-Audited Financial Results for the Quarter ended on June 30, 2026 is available on the Stock Exchange website viz. www.msei.in and on Company's website viz. https://www.biharijiispat.com/ and these can also be accessed through QR Code.
2. The above Un-Audited Financial results for the Quarter ended on June 30, 2026 have been reviewed by the Audit Committee and have been approved by the Board of Directors in its meeting held on 13.08.2026.

Place: Faridabad
Date: 14.08.2026

FOR BIHARIJI ISPAT UDYOG LIMITED
Sd/-
OM PRAKASH BHARDWAJ
Managing Director
DIN: 00060405

सम्पादकीय

श्री अरविन्द की 155 वीं जयंती के अवसर पर

प्रोफेसर हंसराज सुमन

भारतीय चिंतन परंपरा में जब भी आधुनिक युग के महान ऋषि-दार्शनिकों का स्मरण किया जाता है, तो उसमें श्री अरविन्द घोष का नाम अग्रणी पंक्ति में लिया जाता है। श्री अरविन्द केवल एक दार्शनिक ही नहीं थे बल्कि वे एक महान क्रांतिकारी, कवि, योगी, राष्ट्र-चिंतक और मानवता के सच्चे हितैषी थे। उनका जीवन एक ऐसी यात्रा है जो पश्चिमी शिक्षा से आरंभ होकर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के क्रांतिकारी दौर से गुजरती हुई, अंततः अध्यात्म और अतिमानस की गहनतम अनुभूतियों तक पहुँचती है। यही कारण है कि उन्हें मानवतावादी दर्शन का पर्याय कहा जाता है – क्योंकि उनके संपूर्ण चिंतन का केंद्र बिंदु मनुष्य था, मनुष्य की चेतना का विकास था, और मनुष्यता को दिव्यता की ओर ले जाने की आकांक्षा थी। श्री अरविन्द का जन्म 15 अगस्त 1872 को कलकत्ता में हुआ था। उनके पिता डॉ. कृष्णधन घोष पाश्चात्य सभ्यता से अत्यंत प्रभावित थे और वह चाहते थे कि उनका पुत्र पूर्णतः अंग्रेजी संस्कारों में ढले। इसी कारण अत्यंत बाल्यावस्था में ही अरविन्द को इंग्लैंड भेज दिया गया, जहाँ उन्होंने सेंट पॉल्स स्कूल और कैंब्रिज विश्वविद्यालय के किंग्स कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की। यह विडंबना ही है कि जिस बालक को पूर्णतः पाश्चात्यीकृत करने का प्रयास किया गया, वही आगे चलकर भारतीय आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रवाद का सबसे प्रखर स्वर बनकर उभरे। इंग्लैंड में चौदह वर्ष बिताने के पश्चात जब वे 1893 में भारत लौटे, तो उनके भीतर एक गहरी आध्यात्मिक प्यास और राष्ट्र-प्रेम की चिंगारी जल चुकी थी। राष्ट्रवाद की जड़ें उनके हृदय में गहराती जा रही थी। वे अपने इस देश के लिए कुछ करना चाहते थे। श्री अरविन्द का दर्शन पारंपरिक शंकराचार्य के मायावादी अद्वैत से भिन्न है। शंकर के लिए जगत माया है, भ्रम है, जिससे मुक्ति पाकर ब्रह्म में लीन होना ही जीवन का लक्ष्य है। किंतु श्री अरविन्द इस दृष्टिकोण को अधूरा मानते हैं। उनके अनुसार ब्रह्म केवल निर्गुण-निराकार सत्ता नहीं, अपितु वह सृष्टि में सक्रिय रूप से अभिव्यक्त होने वाली शक्ति भी है। जगत माया नहीं, अपितु ब्रह्म की ही लीला और अभिव्यक्ति है। यही कारण है कि उनके दर्शन को एकात्मवादी अद्वैतवाद कहा जाता है – जिसमें आत्मा और जगत, अध्यात्म और भौतिकता, चेतना और पदार्थ के बीच कोई मौलिक विरोध नहीं, अपितु एक अविच्छिन्न सातत्य है। श्री अरविन्द के दर्शन की सबसे मौलिक और क्रांतिकारी अवधारणा है अतिमानस या। उनके अनुसार मनुष्य की वर्तमान मानसिक चेतना विकास की अंतिम अवस्था नहीं है। जिस प्रकार पदार्थ से जीवन का, और जीवन से मन का विकास हुआ, उसी प्रकार मन से भी एक उच्चतर चेतना – अतिमानस – का विकास होना शेष है। यह अतिमानस वह दिव्य सत्य-चेतना है जो पूर्ण ज्ञान, पूर्ण आनंद और पूर्ण एकता में स्थित है। श्री अरविन्द का विश्वास था कि मनुष्य आज विकास की उस सीमा-रेखा पर खड़ा है, जहाँ से वह चेतन प्रयास द्वारा अतिमानस को धरती पर अवतरित कर सकता है, और इस प्रकार मानव-जाति का दिव्य मानवमें रूपांतरण संभव है। अपने इस दार्शनिक दृष्टिकोण को व्यावहारिक साधना में बदलने के लिए श्री अरविन्द ने पूर्ण योग या की स्थापना की। परंपरागत योग पद्धतियाँ – ज्ञानयोग, भक्तियोग, कर्मयोग, हठयोग – प्रायः जीवन से पलायन कर मोक्ष प्राप्ति पर केंद्रित रही हैं। किंतु श्री अरविन्द का पूर्ण योग जीवन से पलायन नहीं, अपितु जीवन के रूपांतरण की साधना है। इसका लक्ष्य केवल व्यक्तिगत मुक्ति नहीं, अपितु सम्पूर्ण अस्तित्व – शरीर, प्राण, मन और आत्मा – का दिव्यीकरण है। यही कारण है कि उनका आश्रम पांडिचेरी में केवल ध्यान-साधना का केंद्र नहीं है, अपितु शिक्षा, कला, विज्ञान और सामाजिक जीवन के समन्वित विकास का प्रयोगशाला बना। जहाँ व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करना है। श्री अरविन्द का दर्शन संकीर्ण साम्प्रदायिकता या धार्मिक कट्टरता से सर्वथा मुक्त है। उनके लिए धर्म का अर्थ किसी विशेष पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं, अपितु सम्पूर्ण मानव-जाति की चेतना का उत्थान है। अपनी कृति द मन साइकल में उन्होंने मानव सभ्यता के विकास के विभिन्न चरणों – प्रतीकात्मक, प्रकारिक, व्यक्तिवादी और आत्मनिष्ठ युग – का विश्लेषण करते हुए यह प्रतिपादित किया कि मानव समाज की अंतिम नियति एक आध्यात्मिक युग की ओर उन्मुख होना है, जिसमें मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप – आत्मा – के अनुसार जीवन जिएगा।

स्वतन्त्रता का दिवस सुहाना विकृतियों से मुक्त बने भारत

कांतिलाल मांडोत

पन्द्रह अगस्त केवल ध्वजारोहण करने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करने का दिन नहीं है। यह आत्ममंथन का अवसर भी है कि जिस स्वतंत्रता के लिए असंख्य देशभक्तों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उस स्वतंत्रता को हमने कितना सार्थक बनाया है और विकसित भारत के निर्माण के लिए हमें अभी कितना आगे जाना है। वर्ष 1947 में देश राजनीतिक पराधीनता से मुक्त हुआ था, लेकिन स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब भारत सामाजिक विकृतियों, आर्थिक विषमता, अशिक्षा, भ्रष्टाचार, जातिवाद, संकीर्णता, बेरोजगारी, हिंसा और नैतिक पतन जैसी चुनौतियों से भी मुक्त हो। गुलामी की पीड़ा को वही समझ सकता है जिसने पराधीनता का जीवन देखा हो। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने केवल सत्ता परिवर्तन के लिए संघर्ष नहीं किया था। उनके सामने एक ऐसे भारत का सपना था, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन जी सके, न्याय सबको मिले, अवसर सबके लिए उपलब्ध हों और राष्ट्र अपनी पहचान तथा आत्मसम्मान के साथ विश्व में खड़ा हो। इसलिए स्वतंत्रता दिवस पर हमें केवल अतीत का गौरवगान नहीं करना चाहिए, बल्कि वर्तमान की उपलब्धियों और कमियों का निष्पक्ष मूल्यांकन भी करना चाहिए। स्वतंत्रता के बाद भारत ने अनेक क्षेत्रों में ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन पर प्रत्येक भारतीय को गर्व होना चाहिए। जिस देश को आजादी के समय गरीबी, अशिक्षा, खाद्यान्न संकट, कमजोर औद्योगिक आधार और सीमित संसाधनों जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, वही भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। कृषि के क्षेत्र में हरित क्रांति ने देश को खाद्यान्न के लिए बाहरी निर्भरता से बाहर निकाला। सिंचाई, उर्वरक, कृषि अनुसंधान और आधुनिक तकनीक ने भारतीय कृषि को नई शक्ति दी। आज भारत कृषि उत्पादन के साथ-साथ डेयरी, मत्स्य और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। औद्योगिक विकास ने भी स्वतंत्र भारत की तस्वीर बदली है। आज देश में इस्पात, ऑटोमोबाइल, दवा, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और अनेक आधुनिक उद्योगों का व्यापक विस्तार हुआ है। बड़े-बड़े बांध, बिजली परियोजनाएं, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे नेटवर्क, बंदरगाह, हवाई अड्डे और महानगरों की आधुनिक परिवहन व्यवस्था देश की विकास यात्रा के प्रमाण हैं। कभी जिन वस्तुओं और तकनीकों के लिए भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था, उनमें से अनेक का निर्माण आज देश में हो रहा है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा तो स्वतंत्रता के बाद की सबसे प्रेरणादायक उपलब्धियों में से एक है। सीमित संसाधनों के साथ शुरू हुआ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम आज उपग्रह प्रक्षेपण, दूरसंचार, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, कृषि निगरानी और वैज्ञानिक अनुसंधान से लेकर चंद्रमा तथा मंगल तक पहुंच चुका है। चंद्रयान अभियानों ने भारत की वैज्ञानिक क्षमता को विश्व के सामने स्थापित किया। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने भारतीय वैज्ञानिक प्रतिभा का नया परिचय दिया। आदित्य-एल1 जैसे मिशन भारत की बढ़ती अंतरिक्ष क्षमता का प्रमाण हैं। अब भारत केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाला राष्ट्र है। विज्ञान और तकनीक के साथ डिजिटल क्षेत्र में भी भारत ने असाधारण परिवर्तन देखा है। मोबाइल संचार, इंटरनेट, डिजिटल भुगतान और डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं ने सामान्य नागरिक के जीवन को प्रभावित किया है। गांवों तक इंटरनेट और बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। डिजिटल भुगतान ने आर्थिक लेन-देन की संस्कृति बदल दी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स और आधुनिक विनिर्माण जैसे नए क्षेत्रों में भारत अपनी क्षमता बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत केवल परंपरा का देश नहीं, बल्कि आधुनिक विज्ञान और तकनीक को अपनाने वाला राष्ट्र भी है।

अगस्त क्रांति आंदोलन के जांबाज शहीद अमीर सिंह

आज ही के दिन 15अगस्त,1947 को भारत आजाद हुआ था। भारतीय राष्ट्रीय आजादी आंदोलन के संघर्ष में लाखों देशभक्तों ने अपनी कुबार्नी दी थी । देश आजाद हुआ लेकिन अनेक ऐसे शहीद विस्मृतियों के गर्त में धकेल दिए गये । मैं आज अपने इस आलेख में ऐसे ही एक वीर सपूत की चर्चा करने जा रहा हूं । 1942 केअंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन के इस जांबाज शहीद का नाम है- अमीर सिंह । वे 11 अगस्त 1942 को सकरा सब रजिस्ट्री कार्यलय में तिरंगा फहराने की कोशिश करते हुए अंग्रेजी हुकूमत की फौज की गोली से मौके पर ही शहीद हो गये थे । मुजफ्फरपुर जिले के वर्तमान बंदरा प्रखंड का एक गांव है नूनफारा । इस गांव का एक टोला है, बदहा टोला। आजादी से पहले यहां बाहरी जमींदारों की जमींदारी हुआ करती थी। तब की यही परम्परा थी कि गरीब के घर पैदा हुए बच्चे का नाम माता -पिता अमीर लिख देते थे । वे तीन भाईयों में मझले थे । बड़े भाई का नाम धनवीर और छोटे का रामबृक्ष था । दो बहनें भी थीं- कपिया और बढनिया । तब गरीब परिवारों के बच्चों का कुछ ऐसा ही नाम रख दिया जाता था अमीर सिंह पैदा भले ही गरीब घर में हुए लेकिन दब्बू नहीं, विद्रोही स्वाभ के थे ।

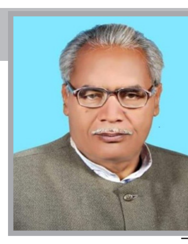

ब्रह्मानन्द ठाकुर

लेखक

आज सारा देश 80 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह से मना रहा है । आज ही के दिन 15अगस्त,1947 को भारत आजाद हुआ था। भारतीय राष्ट्रीय आजादी आंदोलन के संघर्ष में लाखों देशभक्तों ने अपनी कुबार्नी दी थी । देश आजाद हुआ लेकिन अनेक ऐसे शहीद विस्मृतियों के गर्त में धकेल दिए गये । मैं आज अपने इस आलेख में ऐसे ही एक वीर सपूत की चर्चा करने जा रहा हूं । 1942 केअंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन के इस जांबाज शहीद का नाम है- अमीर सिंह । वे 11 अगस्त 1942 को सकरा सब रजिस्ट्री कार्यलय में तिरंगा फहराने की कोशिश करते हुए अंग्रेजी हुकूमत की फौज की गोली से मौके पर ही शहीद हो गये थे । मुजफ्फरपुर जिले के वर्तमान बंदरा प्रखंड का एक गांव है नूनफारा । इस गांव का एक टोला है, बदहा टोला। आजादी से पहले यहां बाहरी जमींदारों की जमींदारी हुआ करती थी। तब की यही परम्परा थी कि गरीब के घर पैदा हुए बच्चे का नाम माता -पिता अमीर लिख देते थे । वे तीन भाईयों में मझले थे । बड़े भाई का नाम धनवीर और छोटे का रामबृक्ष था । दो बहनें भी थीं- कपिया और बढनिया । तब गरीब परिवारों के बच्चों का कुछ ऐसा ही नाम रख दिया जाता था अमीर सिंह पैदा भले ही गरीब घर में हुए लेकिन दब्बू नहीं, विद्रोही स्वाभ के थे । किशोरावस्था आते-आते उनका यह विद्रोही स्वभाव धीरे धीरे मुखर होने लगा । वे शोषित पीड़ित किसान मजदूर के हमदर्द बन गये। जमींदार और उसके स्थानीय कारिंदों के हर अनाचार, अत्याचार, शोषण और बेगार का विरोध करना ही उनका उद्देश्य हो गया वे गरीबों पर अत्याचार बर्दास्त नहीं करते थे । आखिर इसका परिणाम तो मिलना ही था । जमींदारों के कान खडे हुए । तय हुआ कि इस उदंड और जमींदार विरोधी युवक को सबक सिखाया जाए । जमींदारों ने उनके विरुद्ध अपने आका अंग्रेजों के कान भरना शुरू कर दिया । तब इस इलाके में अंग्रेज की अनेक कोठियां हुआ करती थीं । इन्हीं गोरे साहबों के बल पर तो जमींदारों का भी अत्याचार चलता था। दोनों एक दूसरे के पृष्ठपोषक थे। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ इलाके के किसान -मजदूरों को भड़काने का आरोप लगा कर अमीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया । उन्हें हजारीबाग जेल भेज दिया गया । अनेक सुराजी पहले से ही वहां जेल की सजा काट रहे थे । अमीर सिंह पर उनका प्रभाव पड़ा । गांव में अंग्रेजो और जमींदारों का मिलाजुला अत्याचार देख कर उनके मन में आजादी का जो अंकुर फूटा था वह जेल में बंद स्वतंत्रता सेनानियों के सान्निध्य से पल्लवित -पुष्पित होने लगा । जेल में ही उन्होने स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़ने का निश्चय कर लिया । कुछ समय बाद पर्याप्त सबूत के अभाव में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया । जेल से जब छूटे तो देश भक्ति का जो रंग उन पर चढा था वह और चटक हो गया था । बाहर आते ही वे सुराजियों के साथ आंदोलनकारी गतिविधियों में भाग लेने लगे । इसी बीच जयमाला देवी से उनका विवाह हुआ । उनका यह दाम्पत्य सूत्र बंधन भी उन्हें अपने लक्ष्य से डिगा नहीं पाया । उन्होंने अपनी गतिविधियां जारी रखीं । 1942 में अंग्रेजो के विरुद्ध व्यापक जनक्रांति फूट पड़ी थी । 9अगस्त 1942 को महात्मा गांधी समेत देश के अधिकांश बड़े नेता गिरफ्तार कर लिए गये थे । गांधी जी द्वारा ह्यकरो या मरोह्ण का नारा दिया जा चुका था । नेता विहीन आंदोलनकारियों की समझ में जो आया वही किया । सशस्त्र क्रांति के समर्थक जो सत्याग्रह आंदोलन में विश्वास नहीं करते थे, वे भी इस आंदोलन में कूद पड़े, तोड़-फोड़ शुरू हो गया । संचार व्यवस्था भंग की गयी , रेल-तार उखाड़े जाने लगे । ब्रिटिश हुकूमत ने बड़ी निर्ममता से इस आंदोलन को कुचलने का काम किया । इस दौरान बिहार के 15 हजार आंदोलनकारियों को जेलों में बंद किया गया । 8 हजार 7 सौ 83 को सजा मिली और 134 देशभक्त शहीद हो गये थे । अमीर सिंह की शहादत का भी वही दौर था । 11 अगस्त 1942 का दिन । स्वतंत्रता सेनानियों की उत्साही जमात रेल की पटरियां उखाड़ने, संचार व्यवस्था ठप करने के लिए तार काटने के बाद नारा लगाते हुए सकरा थाने पर तिरंगा फहराने के लिए बढ रही थी । वहां झंडा फहरा दिया । फिर भीड़ वहां से कुछ सौ मीटर दूर रजिस्ट्री कार्यालय में झंडा फहराने के लिए बढने लगी कि सकरा थाने के तत्कालीन दारोगा दीपनारायण सिंह की चेतावनी भरी जोरदार आवाज गूंजी ह्यसभी भाग जाओ , गोरखा फौज आ गयी है, अब गोली चलेगी।ह्ण जांबाज स्वतंत्रता सेनानियों की भीड़ उस चेतावनी को अनसुनी करती आगे बढ़ती रही। कुछ ही मिनटों में वे लोग रजिस्ट्री कार्यालय में पहुंच गये । गोरखा फौज पहुंच चुकी थी । गोलियों की तड़तड़ाहट से वातावरण थर्रा उठा था । लोग भागने लगे । आखिर जान तो सबको प्यारी होती है न ! इसी दौरान एक गोली अमीर सिंह को लगी और वे मौके पर शहीद हो गये । खबर आग की तरह फैल गयी । जयमाला देवी को जब इस घटना में अपने पति के शहीद होने की सूचना मिली तो उसने खाना-पीना छोड़ दिया । एक साल बाद वह भी इस दुनिया से चल बसी ।इनकी शहादत के 52 वर्षों के बाद 1994 में जब बंदरा प्रखंड का उद्घाटन हो रहा था तब तत्कालीन विधायक सह मंत्री रमई राम ने मुख्य सड़क (जहां से अमीर सिंह के गांव बदहा टोला के लिए एक सडक जाती है) वहां अमीर सिंह द्वार का निर्माण कराया था । कुल मिलाकर उस गांव में मात्र यही एक उनकी निशानी है । पूर्व विधानपार्षद देवेशचंद्र ठाकुर ने अपने कोश से सकरा रजिस्ट्री कार्यालय परिसर में कुछ साल पहले अमीर सिंह की एक प्रतिमा स्थापित की है। उनके शहादत दिवस पर यहां कोई विशेष कार्यक्रम आयोजित नहीं होता है ।हां, कुछ उत्साही युवक हर साल 11 अगस्त को वहां पहुंच कर इस अमर शहीद को श्रद्धांजलि अवश्य अर्पित करते हैं।

लोकतंत्र की संसद या सियासत का अखाड़ा?

यह उस विश्वास की कहानी है, जिसमें एक आम नागरिक यह मानता है कि उसकी आवाज संसद तक पहुँचेगी, उस पर चर्चा होगी और उसके जीवन से जुड़े प्रश्नों का समाधान लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से निकलेगा। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ केवल मतदान केंद्र तक जाकर अपनी पसंद के उम्मीदवार या दल के पक्ष में बटन दबाना नहीं है। लोकतंत्र उससे कहीं व्यापक व्यवस्था है। यह नागरिक और राज्य के बीच विश्वास का संबंध है। यह उस उम्मीद का नाम है कि सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह होगी, विपक्ष जनता की आवाज को मजबूती देगा, संसद राष्ट्रीय प्रश्नों पर विचार करेगी, मीडिया सत्ता और विपक्ष दोनों से सवाल पूछेगा तथा नागरिक अपनी स्वतंत्र सोच के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी करेगा। लेकिन आज इस विश्वास के सामने कई गंभीर सवाल खड़े हैं। संसद में होने वाला लगातार गतिरोध, आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत टिप्पणियां, नारेबाजी और कार्यवाही का बाधित होना केवल राजनीतिक दलों के बीच संघर्ष नहीं है। इसका सीधा असर लोकतंत्र की उस छवि पर पड़ता है, जो देश की नई पीढ़ी अपने सामने बनाती है। जब कोई युवा संसद की कार्यवाही देखता है और उसे बहस से अधिक हंगामा दिखाई देता है, जब उसे तर्क से अधिक आरोप सुनाई देते हैं, जब उसे नीति पर चर्चा से अधिक राजनीतिक प्रदर्शन नजर आता है,

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा केवल चुनावों की कहानी नहीं है। यह उस विश्वास की कहानी है, जिसमें एक आम नागरिक यह मानता है कि उसकी आवाज संसद तक पहुँचेगी, उस पर चर्चा होगी और उसके जीवन से जुड़े प्रश्नों का समाधान लोकतांत्रिक संस्थाओं के माध्यम से निकलेगा। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ केवल मतदान केंद्र तक जाकर अपनी पसंद के उम्मीदवार या दल के पक्ष में बटन दबाना नहीं है। लोकतंत्र उससे कहीं व्यापक व्यवस्था है। यह नागरिक और राज्य के बीच विश्वास का संबंध है। यह उस उम्मीद का नाम है कि सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह होगी, विपक्ष जनता की आवाज को मजबूती देगा, संसद राष्ट्रीय प्रश्नों पर विचार करेगी, मीडिया सत्ता और विपक्ष दोनों से सवाल पूछेगा तथा नागरिक अपनी स्वतंत्र सोच के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था में भागीदारी करेगा। लेकिन आज इस विश्वास के सामने कई गंभीर सवाल खड़े हैं। संसद में होने वाला लगातार गतिरोध, आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत टिप्पणियां, नारेबाजी और कार्यवाही का बाधित होना केवल राजनीतिक दलों के बीच संघर्ष नहीं है। इसका सीधा असर लोकतंत्र की उस छवि पर पड़ता है, जो देश की नई पीढ़ी अपने सामने बनाती है। जब कोई युवा संसद की कार्यवाही देखता है और उसे बहस से अधिक हंगामा दिखाई देता है, जब उसे तर्क से अधिक आरोप सुनाई देते हैं, जब उसे नीति पर चर्चा से अधिक राजनीतिक प्रदर्शन नजर आता है, तब उसके मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीति वास्तव में समाज को दिशा देने का माध्यम है? संसद में कार्य का स्तर यदि अपेक्षित क्षमता के मुकाबले बहुत कम रह जाए, तो यह केवल सांसदों के काम का आंकड़ा नहीं होता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास का प्रश्न बन जाता है। यदि सदन में चर्चा और कानून निर्माण के लिए उपलब्ध समय का बड़ा हिस्सा गतिरोध में चला जाए, तो उसका नुकसान किसी एक दल या नेता को नहीं, बल्कि पूरे देश को होता है। क्योंकि संसद में बर्बाद हुआ समय वापस नहीं आता। वह समय किसानों की समस्या पर चर्चा का हो सकता था। वह बेरोजगार युवाओं की चिंता पर चर्चा का हो सकता था। वह महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, सीमा सुरक्षा, व्यापार, उद्योग, छोटे व्यवसाय, महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक न्याय और देश के भविष्य की योजनाओं पर विचार का समय हो सकता था। लेकिन जब सदन का मंच राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बनता दिखाई देता है, तब लोकतंत्र के मूल उद्देश्य पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। बहुमत सरकार बनाने के लिए आवश्यक है, लेकिन लोकतंत्र चलाने के लिए संवाद आवश्यक है। चुनाव यह तय करते हैं कि सत्ता किसके हाथ में होगी, संसद यह तय करती है कि सत्ता किस प्रकार जवाबदेह रहेगी। एक स्वस्थ लोकतंत्र में सरकार का मजबूत होना आवश्यक है। देश को निर्णय लेने वाली सरकार चाहिए। नीतियां बननी चाहिए, योजनाएं लागू होनी चाहिए और कठिन परिस्थितियों में सरकार को निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। लेकिन मजबूत सरकार का अर्थ यह नहीं है कि विपक्ष की आवाज महत्वहीन हो जाए। उसी प्रकार विपक्ष का आक्रामक होना भी लोकतंत्र की आवश्यकता है। विपक्ष यदि सरकार से सवाल नहीं पूछेगा, नीतियों की आलोचना नहीं करेगा, गलतियों को उजागर नहीं करेगा और वैकल्पिक रास्ते प्रस्तुत नहीं करेगा, तो लोकतंत्र अधूरा रह जाएगा। सरकार को चुनौती देना लोकतंत्र है। संसद को ठप कर देना लोकतंत्र की मजबूती नहीं है। सरकार से जवाब मांगना लोकतंत्र है। हर विषय को राजनीतिक टकराव में बदल देना लोकतंत्र को कमजोर करता है। सत्ता की आलोचना लोकतंत्र का अधिकार है। लेकिन आलोचना के नाम पर व्यक्तिगत आक्षेप लोकतांत्रिक विमर्श की गरिमा को कम करते हैं। इसी तरह सरकार का विपक्ष पर हमला लोकतांत्रिक बहस नहीं है, यदि वह तथ्य और नीति के बजाय व्यक्तिगत आरोपों में बदल जाए। लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में नहीं है कि सभी लोग एक विचार पर सहमत हो। लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि असहमति के बावजूद सभी एक-दूसरे के अस्तित्व और अधिकार का सम्मान करें। भारत की पहली लोकसभा लोकतंत्र की प्रयोगशाला थी। देश नया-नया स्वतंत्र हुआ था। सामने विभाजन की पीड़ा थी, गरीबी थी, अशिक्षा थी, रियासतों का एकीकरण था, आर्थिक चुनौतियां थीं और लोकतांत्रिक संस्थाओं को स्थापित करने की विशाल जिम्मेदारी थी। संसद में विचारधाराओं का तीखा संघर्ष था। सरकार और विपक्ष के बीच मतभेद थे। नीतियों पर गंभीर बहस होती थी। सरकार के बड़े नेताओं को विपक्ष के सवालों का सामना करना पड़ता था। लेकिन उस दौर की संसदीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बात थी, विचारों की लड़ाई को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदलने से बचाने का प्रयास। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संसद को राष्ट्र की सर्वोच्च बहस का मंच माना जाता था। यह बात आज विशेष रूप से याद आती है। आज राजनीतिक दलों के पास संसाधन पहले से कहीं अधिक हैं। संचार के साधन पहले से कहीं अधिक हैं। मीडिया चैनलों की संख्या अधिक है। सोशल मीडिया ने प्रत्येक नेता को सीधे करोड़ों लोगों तक पहुंचने का माध्यम दे दिया है। राजनीतिक दलों की संगठनात्मक क्षमता बढ़ी है। चुनावी प्रबंधन अधिक आधुनिक हुआ है। लेकिन सवाल यह है कि क्या संसदीय संवाद उसी अनुपात में मजबूत हुआ है? तकनीक बढ़ी है, लेकिन संवाद घटा है, तो यह विरोधाभास चिंता पैदा करता है।

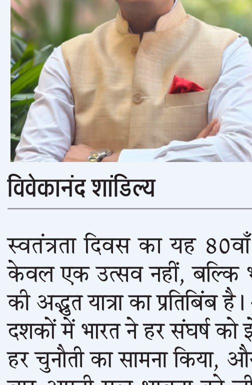

विवेकानंद शांडिल्य

80वां स्वतंत्रता दिवस : संघर्ष, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का विजयपथ

स्वतंत्रता दिवस का यह 80वाँ वर्ष केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि भारत की अद्भुत यात्रा का प्रतिबिंब है। आठ दशकों में भारत ने हर संघर्ष को झेला, हर चुनौती का सामना किया, और हर बार अपनी मूल भावना को जीवित रखा। वसुधैव कुटुंबकम्ह्व और सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे शाश्वत विचार भारत की आत्मा रहे हैं। आजादी के शुरूआती वर्षों में भारत गरीबी, अशिक्षा और बुनियादी ढांचे की कमी से जूझ रहा था। लेकिन इन कठिनाइयों के बीच भी भारत ने लोकतंत्र को मजबूती से थामा और विकास की राह पर कदम बढ़ाए। यह वही राष्ट्र है जिसने भूख और अभाव से लड़ते हुए विज्ञान, तकनीक और शिक्षा में अपनी पहचान बनाई। आज भारत केवल एक विकासशील देश नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) और अंतरिक्ष में अपनी जगह बनाने वाला अग्रणी राष्ट्र है। ह्लप्रकृति रक्षति रक्षितःह्व और ह्लनर सेवा ही नारायण सेवा हैह्व जैसे विचारों को साथ लेकर भारत ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है। जहाँ कुछ देश युद्ध और साम्राज्यवाद की नीतियों में उलझे हैं, वहीं भारत दुनिया को शांति का संदेश दे रहा है। यह वही भूमि है जहाँ बुद्ध ने करुणा का मार्ग दिखाया और जहाँ से अहिंसा का संदेश पूरी दुनिया में फैला। भारत ने हमेशा युद्ध को नकारा है, लेकिन जब बात आतंकवाद की आती है तो भारत ने मानवता के दुश्मनों को ललकारा भी है और प्रहार भी किया है। हम कृष्ण के वंशज हैं – जहाँ प्रेम है वहाँ मुरली की मधुर धुन बजती है, और जब कोई कंस मानवता का शत्रु बन खड़ा होता है तो सुदर्शन चक्र का चलना भी आवश्यक हो जाता है। ऑपरेशन सिंदूर से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक तक, भारत ने हर बार मानवता के हित में निर्णायक कदम उठाए हैं। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा और मानवता की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है। भारत की पहचान अध्यात्म है। हमारी मूल भावना में पूरा विश्व एक परिवार है। यही कारण है कि भारत ने हर संकट में वैश्विक सहयोग और साझेदारी का मार्ग चुना। चाहे कोरोना महामारी हो या जलवायु परिवर्तन, भारत ने दुनिया को दिखाया कि संस्कृति और विज्ञान का संगम ही स्थायी समाधान है। भारत की 80 वर्ष की यात्रा का सबसे बड़ा सबक है आत्मनिर्भरता। आजादी के बाद भारत ने विदेशी सहायता और आयात पर निर्भरता कम करने का संकल्प लिया। हर संकट ने हमें यह सिखाया कि आत्मनिर्भरता ही स्थायी विकास का मार्ग है। आज भारत मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, बल्कि दुनिया को यह संदेश भी दे रहा है कि आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता है। प्रधानमंत्री जी का ह्ललोकल के लिए वोकलह्व का आह्वान इस आत्मनिर्भरता की भावना को जन-जन तक पहुँचा रहा है। प्रधानमंत्री जी का 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य केवल पर्यावरणीय संकल्प नहीं, बल्कि भारत की नई दिशा का प्रतीक है। यह वही राष्ट्र है जो कभी गरीबी से लड़ रहा था और आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष अनुसंधान और हरित ऊर्जा में अपनी पहचान बना रहा है। भारत की 80 वर्ष की यात्रा हमें यह सिखाती है कि संघर्ष चाहे जितना बड़ा हो, यदि मूल भावना अटल रहे और आत्मनिर्भरता को मार्गदर्शक बनाया जाए तो राष्ट्र हर चुनौती को अवसर में बदल सकता है। स्वतंत्रता दिवस का यह 80वाँ वर्ष हमें गर्व दिलाता है कि भारत ने न केवल अपनी चुनौतियों को पार किया, बल्कि दुनिया को शांति, सहयोग और मानवता का मार्ग दिखाया। भारत की आत्मा आज भी वही है – वसुधैव कुटुंबकम। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि आने वाले दशकों में भारत न केवल तकनीकी और आर्थिक शक्ति बनेगा, बल्कि अपनी संस्कृति, अध्यात्म और आत्मनिर्भरता से दुनिया को दिशा देगा। यही है भारत की असली पहचान – संघर्ष से आत्मविश्वास तक, आत्मनिर्भरता से विश्व नेतृत्व तक।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
स्वच्छ घर
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
14420 टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
1533 टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत सिढ़पुरा, जनपद - कासगंज

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
स्वच्छ घर
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
14420 टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
1533 टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत बिलराम ,जनपद -कासगंज

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छ घर
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
14420
टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
1533
टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा
गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा
स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा
विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पालिका परिषद गंजडुंडवारा, जनपद - कासगंज

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छ घर
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
14420
टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
1533
टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा
गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा
स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा
विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत भरगैन ,जनपद -कासगंज

स्वच्छ सर्वेक्षण
2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छ घर
14420
टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
1533
टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा
गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा
स्वास्थ्यकर अपशिष्ट
सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा
विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पालिका परिषद मैनपुरी, जनपद - मैनपुरी

स्वच्छ सर्वेक्षण
2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छ घर
14420
टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
1533
टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा
गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा
स्वास्थ्यकर अपशिष्ट
सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा
विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत घिरोर ,जनपद -मैनपुरी

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छ घर
14420 टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
1533 टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
हरा डिब्बा गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पालिका नवाबगंज, जनपद - फर्रुखाबाद

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
स्वच्छ घर
14420 टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
1533 टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
हरा डिब्बा गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत संकिसा बसंतपुर,जनपद -फर्रुखाबाद

स्वच्छ सर्वेक्षण
2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
14420
टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
स्वच्छ घर
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
1533
टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा
गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा
स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा
विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत पुरदिलनगर, जनपद - हाथरस

स्वच्छ सर्वेक्षण
2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
14420
टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
स्वच्छ घर
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
1533
टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा
गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा
स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा
विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत मैण्डू,जनपद -हाथरस

स्वच्छ सर्वेक्षण
2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
स्वच्छ घर
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
14420
टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
1533
टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा
गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा
स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा
विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत पिलखना, जनपद - अलीगढ़

स्वच्छ सर्वेक्षण
2025-26
स्वच्छ सारथी Club
स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति
स्वच्छ भारत
स्वच्छ घर
मेरा घर, स्वच्छ घर
चार बिन की आदत, स्वच्छ भारत की ताक़त
14420
टोल फ्री
सीवर/ सेप्टिक टैंक संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
1533
टोल फ्री
नगर विकास विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु संपर्क करें
हरा डिब्बा
गीला कचरा
• फल व सब्जियों के छिलके
• बचा हुआ भोजन
• बगीचे का कचरा
नीला डिब्बा
सूखा कचरा
• कागज, कांच, प्लास्टिक, धातु
• गत्ता और पैकेजिंग सामग्री
लाल डिब्बा
स्वास्थ्यकर अपशिष्ट सेनेटरी वेस्ट
• इस्तेमाल किए गए मास्कस दस्ताने, नैप्किंस
• डाइपर्स, पैडस
काला डिब्बा
विशेष देखभाल अपशिष्ट
• रसायन, पेंट बैटरियां
• इलेक्ट्रॉनिक कचरा
• सिरिंज
नगर पंचायत बरौली,जनपद -अलीगढ़

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,